"वेद"
(उपनिषद)
बृहदारण्यक
ईशावास्य
शिवसंकल्प
{उपनिषद}
तैत्तरीय,
महानारायण,
मैत्री,कंठ,श्वेताश्वतर
{ब्राह्मण}
शतपथ(मा.)
शतपथ(का.)
【शुक्ल】
आरण्यक
बृहदारण्यक(मा.)
बृहदारण्यक(का.)
{ब्राह्मण}
तंडयमहाब्राह्मण,पंचविश,
षडविश वंश,सामविधान,
आर्षेय,मंत्र,दैवत,
संहितोपनिषद,
जैमिनी(तलवकार)
{ब्राह्मण}
तैत्तरीय
【कृष्ण】
आरण्यक
तैत्तरीय
मैत्रायणी
यजुर्वेद
कृष्ण
संहिता
तैत्तरीय
मैत्रायणी
काठक
कपिष्ठल
शुक्ल
संहिता
माध्यंदिन
काण्व
सामवेद
संहिता
कौथुम
रामायणी
जैमिनी
【उपनिषद】
केन
छान्दोग्य
【उपनिषद】
ऐतरेय
वास्कल
कौशितकी
ऋग्वेद
आरण्यक
ऐतरेय
संहिता
शाकल
वास्कल
YG
【उपनिषद】
प्रश्न,मुंडक,
मांडूक्य,
अथर्वशिखा,वगेरे,
बावन्नउपनिषद
Yogesh Gautam
अथर्वेद
(संहिता)
शौनक
पिप्पलाद
【ब्राह्मण】
ऐतरेय
कोशीतकी
शांखायन
【ब्राह्मण】
गोपथ
१.ऋग्वेद - 10 मण्डल -1028 सूक्त- 10580 मंत्र
(देवो की स्तुति/प्रार्थना)
२.यजुर्वेद- 40अध्याय,1975 मंत्र(यज्ञ-गद्य व पद्य)
३.सामवेद- 1824 मंत्र(संगीतमय/गेय)
४.अथर्वेद-20 मण्डल-731 सूक्त- 5987 मंत्र
(स्वास्थ्य/जादू-टोना)
☆उपवेद
ऋग्वेद - आयुर्वेद -(कर्ता-धन्वन्तरि)
यजुर्वेद - धनुर्वेद -(कर्ता- विश्वामित्र)
सामवेद - गन्धर्ववेद-(कर्ता-भरतमुनि)
अथर्वेद - शिल्पवेद -(विश्वकर्मा)
◇वेदों के संकलनकर्ता-"महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास" ◇

•जन्म- 563 ई.पू.(बैशाख पूर्णिमा)
•स्थान- लुम्बिनी(नेपाल)
•वंश - इक्ष्वाकु
•कुल - शाक्य(क्षत्रिय)
•पिता - शुद्धोधन
•माता - महामाया
•पालन - महाप्रजापति गौतमी(मौसी)
•विवाह - यशोधरा से(16 वर्ष उम्र में)
•पुत्र - राहुल
• गुरु -विश्वामित्र से वेद,उपनिषदों की शिक्षा
•प्रथम गुरु- आलार कलाम
•प्रिय शिष्य - आनन्द

बौद्ध धर्म के दृष्टा व संस्थापक

महात्मा गौतम बुद्ध

•महापरिनिर्वाण-483 ई.पू.
80 वर्ष की आयु में(बै.पू.)
•स्थान-कुशीनगर(भारत)

•बचपन का नाम- सिद्धार्थ
•सिद्धार्थ का अर्थ- जो सिद्धि प्राप्ति के लिए जन्मा।
•साधु 'दृष्टा आसित' की घोषणा-'बच्चा बड़ा होकर या तो महान राजा या महान पथ प्रदर्शक बनेगा।

•ज्ञान प्राप्ति-35 वर्ष की आयु में निरंजना नदी के तट पर वैशाखी पूर्णिमा के दिन पीपल वृक्ष के नीचे, बोधगया(बिहार)
"यही से सिद्धार्थ 'बुद्ध' कहलाये"
• अश्व का नाम - कंथक
• सारथी - चन्ना

•महाभिनिष्क्रमण-29 वर्ष की आयु में गृह त्याग की घटना: {बूढ़ा व्यक्ति,रोगी,अर्थी व सन्यासी की घटना ने जीवन मोह व मुक्ति का मार्ग दिखाया}

•धर्मचक्र परिवर्तन- आषाढ़ की पूर्णिमा को काशी के समीप 'मृगदाव'(सारनाथ) में अपना पहला उपदेश दिया।
• भाषा - पालि(प्रचार व उपदेश पालि भाषा मे ही किए)

☆बुद्ध की शिक्षा व उपदेश - लोगो को 'मध्यम मार्ग' का उपदेश किया। दु:ख-उसके कारण-व निवारण हेतु 'अष्टांगिक मार्ग' सुझाया। 'अहिंसा' पर बहुत जोर दिया। यज्ञ और पशु- बलि की निंदा की।
•उपदेशों का सार-
१. ध्यान तथा अंतर्दृष्टि
२. मध्यमार्ग का अनुसरण
३. चार आर्य सत्य:-(दु:ख,समुदाय,निरोध,मार्ग)
४. अष्टांगिक मार्ग(सम्यकदृष्टि-संकल्प-वाणी-कर्मांत-आजीविका-व्यायाम-स्मृति-समाधि)।

बौद्ध संगीति	स्थान	समय	अध्यक्ष	शासक
१.प्रथम बौद्ध संगीति	राजगृह(सप्तपर्णी गुफा)	483 ई.पू.	महाकश्यप	अजातशत्रु(हर्यक वंश)
२.द्वितीय बौद्ध संगीति	वैशाली	383 ई.पू.	साबकमीर	कालाशोक(शिशुनाग वंश)
३.तृतीय बौद्ध संगीति	पाटलिपुत्र	251ई.पू.	मोगलीपुत्तीस	अशोक(मौर्यवंश)
४.चतुर्थ बौद्ध संगीति	कुण्डलवन(कश्मीर)	प्रथम ई.	वसुमित्र	कनिष्क(कुषाण वंश)

YOGESH GAUTAM
Yogesh Gautam

★बौद्ध साहित्य:-
त्रिपिटकों में संकलित किया गया हैं-
१. सुत्तपिटक:- बुद्ध व उनके करीबियों के 10 हजार सूत्र वर्णित हैं।इसके पांच निकाय हैं, जिसमे से अंगयुत्तर निकाय में 16 महाजनपदों का वर्णन हैं।
२. विनयपिटक:- संघ के अंदर अनुशासन की पुस्तक। भिक्षुओ व भिक्षुणियों के संघ के एवं दैनिक जीवन के आचार-विचार और नियम संकलित हैं।
३. अभिधम्मपिटक:- इसमें बौद्ध धर्म के दर्शन और सिद्धान्त शामिल हैं। यह 7 पुस्तको में बांटा गया हैं।
☆अन्य:- १.जातककथा २.मिलिंदपन्हों ३. दीपवंश ४. महावंश ५. बुद्धचरित

जन्म - 599 ई.पू., कुंडग्राम

शिष्य - मक्खलिपुत्रगोशाल

पूर्व तीर्थंकर - पार्श्वनाथ

प्रथम गणधर - गौतम गणधर

पुत्री - प्रियदर्शिनी

मोक्ष स्थान - पावापुरी, जिला नालंदा, बिहार

मृत्यु - 527 ई. में पावापुरी

दामाद - जामालि

अन्य नाम - वीर, अतिवीर वर्धमान, सन्मति

चिन्ह - सिंह

पत्नी - यशोदा

रंग - स्वर्ण

वंश - इक्ष्वाकु

पिता - राजा सिद्धार्थ

महावीर स्वामी 24 वे तीर्थंकर

माता - त्रिशला

★ दीक्षा प्राप्ति के बाद 12 वर्ष और 6.5 महीने तक कठोर तप करने के बाद वैशाख शुक्ल दशमी को ऋजुबालुका नदी के किनारे 'साल वृक्ष' के नीचे भगवान महावीर को 'कैवल्य ज्ञान' की प्राप्ति हुई थी।

■ जिसके पश्चात् उन्होंने समवशरण में ज्ञान प्रसारित किया, 72 वर्ष की आयु में उन्हें पावापुरी से मोक्ष की प्राप्ति हुई। इस दौरान महावीर स्वामी के कई अनुयायी बने जिसमें उस समय के प्रमुख राजा बिम्बिसार, कुनिक और चेटक भी शामिल थे।

◆ जैन धर्म के ऋषभदेव पहले तीर्थंकर थे । जैन धर्म के पंचशील सिद्धांत बताए, जो है- अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य (अस्तेय) और ब्रह्मचर्य ।

★ महावीर ने अपना उपदेश प्राकृत (अर्द्धमागधी) भाषा मे दिया, जैन धर्म दो वर्गों में बाँटा गया है (1. श्वेताम्बर 2. दिगंबर) जैन धर्म के आध्यात्मिक विचार सांख्य दर्शन प्रेरित है । दिगंबर का अर्थ पूर्णतः नग्न रहना,

◆ पावापुरी में एक जल मंदिर स्थित है जिसके बारे में कहा जाता है कि यही वह स्थान है जहाँ से महावीर स्वामी को मोक्ष की प्राप्ति हुई थी।

BY - AMIT KUMAR

जन्म 340 ईसा पूर्व
पाटलिपुत्र बिहार

गुरु - चाणक्य

पूर्ववर्ती नंद साम्राज्य
के घनानंद

राज्याभिषेक ३२१ ईसा

गुरु - भद्रबाहु

निधन 298ईसा पूर्व
(उम्र 47-48)
श्रवणबेलगोला, कर्नाटक

उत्तरवर्ती सम्राट बिन्दुसार

शासनावधि ३२१ ईसा
पूर्व-२९७ ईसा पूर्व

मेगस्थनीज - इंडिका

चक्रवर्ती सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य

मुद्राराक्षस
- विशाखदत्त

पिता सूर्यगुप्त स्वार्थसिद्धि मौर्य	पत्नि - दुर्धरा और हेलेना	माता - मुरा

★ मौर्य वंश के संस्थापक चंद्रगुप्त मौर्य (322 - 298 ई॰पू॰) ने चाणक्य की सहायता से अंतिम नन्द वंश घनानंद को 322 ई॰ पू॰ मगध की गद्दी पर पर बैठा ।

◆ पाटलिपुत्र (आधुनिक पटना) चंद्रगुप्त की राजधानी थी । चंद्रगुप्त मौर्य का साम्राज्य उत्तर पश्चिम में ईरान से लेकर पूर्व में बंगाल तक , कश्मीर व कर्नाटक तक फैला हुआ था । 303 ई॰ सिकंदर की मृत्यु के बाद उसके सेनापति सेल्यूकस और चंद्रगुप्त के बीच हुआ ।

★ सेल्यूकस ने अपने राजपूत मेगस्थनीज को चंद्रगुप्त के दरबार मे भेजा युनानी लेखकों ने पाटलिपुत्र को " पालीब्रोथा " के नाम से संबोधित किया ।

◆ मैसूर से उपलब्ध कुछ अभिलेखों से चंद्रगुप्त द्वारा शिकारपुर तालुक के अंतर्गत नागरखंड की रक्षा करने का उल्लेख मिलता है।

★ चन्द्र-गुप्त का जैन धर्म में महत्वपूर्ण स्थान है , जैन धर्म मे शरीर त्यागने को सलेखन्ना/ संथारा कहा जाता है ।

जन्म - 1290 दिल्ली

राजवंश - तुग़लक वंश

निधन 20 मार्च 1351 सिंध

मूल नाम - 'उलूग ख़ाँ

शासनावधि 01 फरवरी 1325 - 20 मार्च 1351

पूर्ववर्ती - गयासुद्दीन तुगलक

उत्तरवर्ती - फिरोजशाह तुग़लक

समाधि तुग़लकाबाद दिल्ली

धर्म - इस्लाम

कृषि विभाग दीवाण ए अमीर कोही

मोहम्मद बिन तुगलक (जूना खाँ)

■ दिल्ली के तुगलक वंश की नींव डालने वाले गयासुद्दीन तुगलक के पुत्र और उत्तराधिकारी मुहम्मद बिन तुगलक ने 1325 से 1351 ईस्वी तक शासन किया | इस जटिल व्यक्तित्व के शासक को इतिहास में सनक भरी योजनाओं और क्रूर कृत्यों के लिए जाना जाता है | साथ ही उसे विद्वान , महान सेनापति और मौलिक योजनाये बनाने वाला भी बताया जाता है ।

AMIT KUMAR

■ उसने अपने राज्य में मध्य राजधानी की स्थापना की , ओर ' टोकन करेंसी ' के रूप में विभिन्न प्रयोग किये, किन्तु वह पूर्ण रुप से असफल रहा । अपनी सनक भरी योजनाओं के कारण इसको " स्वप्रशील, पागल, एवं रक्त पिपासु कहा गया है ।

■ इब्नबतूता जैसे विदेशी विद्वान को दिल्ली का काजी बनाया | पर राज्य के विस्तार के साथ कठिनाइया भी बढती गयी | देवगिरी के राज्य के मध्य में होने के कारण तुगलक ने 1327 ईस्वी में राजधानी दिल्ली से हटाकर वहा ले जाने का आदेश दिया और देवगिरी का नाम बदलकर दौलताबाद कर दिया |

■ ख़ुरासान एवं काराचील अभियान ,यह योजना भी असफल रही ,

जन्म - 1150 (Turkestan)

वंश - मामलूक/ गुलाम

निधन - 1210 (Lahore)

राज्याभिषेक - 1206 ई॰

शासनावधि - 25 जून 1206 – 1210

पूर्ववर्ती - मोहम्मद ग़ोरी

उत्तरवर्ती - आराम शाह

समाधि
अनारकली बाज़ार लाहौर

धर्म - इस्लाम

दामाद - इल्तुतमिश

जनजाति - तुर्की

कुतुबुद्दीन ऐबक (लाखबख़्स)

■ कुतुबुद्दीन ऐबक मोहम्मद गोरी का ' गुलाम ' था, इसने जिस वंश की स्थापना की उसे गुलाम वंश कहा गया । इस वंश ने (1206 - 1290) ई॰ तक शासन किया ।

■ जब मोहम्मद ग़ोरी ने लूटपाट करके वापिस अफ़ग़ान गया । तो उसने अपने दासों को नियुक्त किया जो उसके नाम से भारत मे शासन करे ।

■ कुतुबुद्दीन ऐबक ने लाहौर को अपनी राजधानी बनाया । इनके गुरु ख़्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काका थे ।

■ इन्होंने दिल्ली सल्तनत की स्थापना की , दानवीर, ओर उदारता के कारण लाखबख़्स के नाम से जाने जाता था , ओर साहित्य, कला का संरक्षक था।

■ इन्होंने दो प्रसिद्ध मस्ज़िद दिल्ली का ' कुबत - उल - इस्लाम , ओर अजमेर का 'अढ़ाई दिन का झोपड़ा ' बनवाया । ओर अपने गुरु की स्मृति में कुतुबमीनार का एक मंजिल का निर्माण कराया, इसकी मृत्यु के बाद इल्तुतमिश ने इसको पूर्ण कराया ।

★ मृत्यु नवंबर 1210 ई॰ में लाहौर में चोगान (पोलो) खेलते समय गिर जाने के कारण मृत्यु हुई ।

~ AMIT KUMAR

(सम्राट)
चक्रवर्ती सम्राट अशोक

304 ईसा पूर्व
पाटलिपुत्र,पटना

राज्याभिषेक 270 ईसा पूर्व

पूर्ववर्ती - बिंदुसार

भाषा - ब्राह्मी लिपि ,खरोष्ठी लिपि

शासनावधि 269 ई॰
पूर्व से 232 ई॰ पूर्व

232 ईसा पूर्व
पाटलिपुत्र, पटना

उत्तरवर्ती - दशरथ मौर्य

- एक शिलालेख में यूनानी भाषा प्रयोग की गई है

समाधि - पाटलिपुत्र

"देवानम्पिय" उपाधि

सम्पूर्ण एशिया में बौद्ध पन्थ का प्रचार किया।

पुत्र - महेन्द्र

पुत्री - संघमित्रा

पिता - बिंदुसार

जीवनसंगी
देवी (कारुवाकी)
पद्मावती (तिष्यरक्षिता)

माता
सुभद्रांगी (रानी धर्मा)

★ मौर्य राजवंश के चक्रवर्ती सम्राट अशोक ने अखण्ड भारत पर राज्य किया है तथा उनका मौर्य साम्राज्य उत्तर में हिन्दुकुश की श्रेणियों से लेकर दक्षिण में गोदावरी नदी के दक्षिण तथा मैसूर तक तथा पूर्व में बांग्लादेश से पश्चिम में अफ़गानिस्तान, ईरान तक पहुँच गया था।

★ चक्रवर्ती सम्राट अशोक ने अपने राज्याभिषेक के 8 वें वर्ष (२61 ई. पू.) में कलिंग पर आक्रमण किया था। इतने बड़े नरसंहार के बाद इससे द्रवित होकर सम्राट अशोक ने शान्ति, सामाजिक प्रगति तथा धार्मिक प्रचार किया।

◆ सम्राट अशोक द्वारा प्रवर्तित कुल ३३ अभिलेख प्राप्त हुए हैं जिन्हें अशोक ने स्तंभों, चट्टानों और गुफाओं की दीवारों में अपने २६९ ईसापूर्व से २३१ ईसापूर्व चलने वाले शासनकाल में खुदवाए। ये आधुनिक बांगलादेश, भारत, अफ़ग़ानिस्तान, पाकिस्तान और नेपाल में जगह- 2 पर मिलते हैं।

AMIT KUMAR

सम्राट अकबर

•जन्म -15 अक्टूबर 1542
स्थान-उमरकोट किला,सिंध(पाकि.)
• दादा - बाबर
• पिता - हुमायूँ
• माता - हमीदा बानो बेगम
• पत्नी - रुकैयाबेगम साहिबा,
सलीमा सुल्तान बेगम
मरियम-उज-जमानी बेगम(हरखा बाई)
• संतान - जहाँगीर के अलावा 5पुत्र,
7 पुत्रियां

•मृत्यु- 27 अक्टूबर 1605
स्थान- फतेहपुर सीकरी,आगरा
•राज्याभिषेक -14 फरवरी 1556
•शासनावधि - 1556-1605
• समाधि स्थल- बिहिस्ताबाद,सिकंदरा (आगरा)
• राजघराना - मुगल
• वंश - तैमूर और चंगेज खान का वंश
• उत्तराधिकारी - जहाँगीर
• अन्य नाम- जलालउद्दीन मोहम्मद अकबर,
अकबर-ए-आजम,शहंशाह

☆धार्मिक सहिष्णुता व सुलहकुल की नीति अपनाई।
☆ राजपूतो के साथ वैवाहिक सम्बन्ध किए।
☆ मेवाड़ शासकों ने कभी अधीनता नही स्वीकार की।

☆पानीपत का द्वितीय युद्ध- 5 नवम्बर 1556को अकबर के सेनापति बैरम खां और शेरशाह सूरी के सेनापति हेमू के बीच।मुगल विजय।

☆अन्य महत्वपूर्ण कार्य:-
१.(1562 में)- युद्ध के कैदियों को बंदी बनाने,उनकी बीबी,बच्चों को बेचने की पुरानी प्रथा प्रतिबंधित।
२.(1562में)-अपनी पालक मां माहमअनगा की अगुआई में 'हरेम पार्टी' के नियंत्रण से मुक्त।
३.(1563में)-तीर्थयात्रा को रद्द कर दिया।
४.(1564में)-हिंदुओं पर लगाये जाने वाले 'जजिया कर' को खत्म कर दिया।
५.(1571में)-फतेहपुर सीकरी की स्थापना की,व उसे अपनी राजधानी बनाया।
६.(1575में)-'इबादतखाना'(आराधना घर) की स्थापना।
८.(1578में)-इबादतखाना में सभी धर्मों के लोगो को प्रवेश की अनुमति।
९.(1579में)-'मजहर' की घोषणा।
१०.(1582में)-'दीन-ए-इलाही' की स्थापना।
११.(1583में)-'इलाही संवत' की शुरुआत।
१२.(1585में)-राजधानी 'लाहौर' स्थानांतरित।

साहित्यिक कार्य:-
१. अबुल-फजल ने- 'आईने-अकबरी',व अकबरनामा की रचना की।
२. मुल्ला अब्दुल कादिर बदायूंनी ने- रामायण और सिंघासन बत्तीसी का अनुवाद 'फ़ारसी' में किया।
३. फैजी ने - 'पंचतंत्र' का फ़ारसी में अनुवाद किया।
४. इब्राहिम सरहिंदी ने - 'अथर्वेद' का अनुवाद किया।
५. मौलाना शाह मोह.शाहबादी ने - 'राजतरंगिणी' का अनुवाद किया।

☆अकबर के नवरत्न:-
१. अबुल-फजल-अकबर के काल को कलमबद्ध किया। 'अकबरनामा',व आईने-अकबरी लिखी।
२. फैजी-अबुल फजल का भाई(अकबर के बेटे का गणित का शिक्षक)।
३. तानसेन-अकबर के दरबार का गायक,कवि।
४. राजा बीरबल-दरबार के विदूषक,अकबर के सलाहाकार।
५. राजा टोडरमल-अकबर का वित्तमंत्री।
६. राजा मानसिंह आम्बेर-अकबर की सेना का प्रधान सेनापति।
७. अबुल-रहीम-खानखाना-कवि,अकबर के संरक्षक बैरम खां का पुत्र।
८. फकीर-अजिओं-दिन-अकबर का सलाहाकार।
९. मुल्ला दो प्याजा-अकबर का सलाहाकार।

☆अकबर के विजय अभियान:-
१.प्रथम(1561)- मालवा विजय- बाजबहादुर व मुगल सेनापति आधम खां के बीच, मुगल विजय।
२.द्वितीय(1561)- चुनार विजय- अकबर ने आसफ खां को भेजा।
३.तृतीय(1564)- गोंडवाना विजय - आसफ खां व वीर नारायण(संरक्षिका दुर्गावती) के बीच।
४.चतुर्थ(1562-1570)- राजपूत राजाओं को अकबर ने अपने अधीन किया-
I. आमेर(1562)- भारमल ने स्वेच्छा से अकबर की अधीनता स्वीकारी।
II. मेड़ता(1562)- जयमल को मुगल सेनापति सरफुद्दीन ने हराया।
III. मेवाड़(1568)- अकबर ने उदयसिंह को हराया,पर अधीनता नही स्वीकार की।
IV. हल्दीघाटी(1576)- महाराणा प्रताप व मानसिंह,आसफ खां के बीच।
V. कालिंजर(1569)- मजनू खां व कालिंजर के शासक रामचन्द्र के विरुद्ध।
VI रणथंबौर (1569)- सुरजनराय व अकबर/भगवान दास के बीच।
VII मारवाड़(1570)- शासक चन्द्रसेन ने स्वेच्छा से अकबर की अधीनता स्वीकारी।
VIIIजैसलमेर(1570)- शासक हरराम ने स्वेच्छा से अकबर की अधीनता स्वीकारी।
IX बीकानेर(1570)- शासक राय कल्याणमल ने स्वेच्छा से अधीनता स्वीकारी।
५.पांचवा(1571)- गुजरात अभियान I - मुज़फ्फर खां III व मुगल सेना.मिर्जा अजीज कोका के बीच।
(1572) - गुजरात अभियान II - मिर्जा हुसैन मिर्जा व अकबर के बीच।
६. छठा(1574-76)- बंगाल,बिहार के शासक दाऊद खां के विरुद्ध मुगल सेनापति मुनीम खां के बीच।
७.सातवां(1581)- काबुल के शासक हकीम मिर्जा व अकबर,मानसिंह के बीच।
८.आठवां(1586)- कश्मीर शासक यूसुफ खां,याकूत खां व मुगल सेनापति कासिम खां/भगवान दास के बीच
९. नौवां(1591)- सिंध के शासक जानी बेग व मुगल सेनापति अब्दुल रहीम खानखाना के बीच।
१०.दशवें(1590-91)- उड़ीसा के शासक व मुगल सेनापति मानसिंह के बीच।
११.ग्यारहवा(1595)- बलूचिस्तान के शासक पन्नी अफगान व मुगल सेनापति मीर मासूम के बीच।
१२.बारहवां(1595)- कंधार के शासक मुज़फ्फर हुसैन ने स्वेच्छा से अधीनता स्वीकार की।
१३.तेरहवाँ(दक्षिण का विजय अभियान)-
I. खानदेश(1591)- शासक अली खां ने स्वेच्छा से अधीनता स्वीकारी।
II. अहमदनगर(1597-1600)- बहादुर निजामशाह(चांद बीबी संरक्षिका) व शहजादा मुराद,अब्दुल रहीम खानखाना के बीच।
III. असीरगढ़(1601)- मीर बहादुर को पराजित किया।अकबर का अंतिम अभियान।

YG
Yogesh Gautam

जन्म - 3 नवम्बर 1618

राजवंश - मुग़ल ख़ानदान

निधन 3 मार्च 1707 (उम्र 88)

राज्याभिषेक - शालीमार बाग़ में 13 जून 1659

शासनावधि 31 जुलाई 1658 – 3 मार्च 1707

पूर्ववर्ती - शाहजहाँ

उत्तरवर्ती - (बराए-नाम) - बहादुर शाह

समाधि औरंगज़ेब का मक़बरा, ख़ुल्दाबाद

धर्म - सुन्नी इस्लाम

घराना - तैमूरी

पिता - शाहजहाँ	मोहम्मद औरंगज़ेब आलमगीर	माता -मुमताज़ महल

★ मुग़ल साम्राज्य का सबसे विस्तारवादी एवं एशिया में एक क्रूर शासक।

★ औरंगज़ेब ने भारतीय उपमहाद्वीप पर आधी सदी से भी ज़ियादा समय तक राज किया। वे अकबर के बाद सबसे ज़ियादा समय तक शासन करने वाले मुग़ल शहंशाह थे।

◆ औरंगज़ेब ने पूरे साम्राज्य पर शरियत आधारित फ़तवा-ए-आलमगीरी लागू किया और कुछ समय के लिए ग़ैर-मुसलमानों पर और ज़ियादा कर भी लगाया। ग़ैर-मुसलमान प्रजा पर शरी'अत लागू करने वाले वे पहले मुसलमान शासक थे।

★ इसने काफ़ी ज़ियादा हिंदुओं को नियुक्त किया और सिखों के गुरु तेग़ बहादुर को दारा शिकोह के साथ मिलकर बग़ावत करने के जुर्म में मृत्युदंड दिया था।

◆ औरंगज़ेब ने जज़िया कर फिर से आरंभ करवाया, जिसे अकबर ने ख़त्म कर दिया था । औरंगज़ेब ने 167 ई. में लाहौर की बादशाही मस्जिद बनवाई थी।

● औरंगज़ेब ने 1678 ई. में बीबी का मक़बरा अपनी पत्नी रबिया दुर्रानी की स्मृति में बनवाया था, औरंगज़ेब ने दिल्ली के लाल क़िले में मोती मस्जिद बनवाई थी।

★ सल्तनकालीन स्थापत्यकलाएं महत्वपूर्ण

सल्तनतकालीन	स्थापत्यकला
कुब्बत उल इस्लाम मस्ज़िद	कुतुबुद्दीन ऐबक (दिल्ली)
कुतुबमीनार (दिल्ली)	कुतुबुद्दीन ऐबक व इल्तुतमिश
अढ़ाई दिन का झोपड़ा	कुतुबुद्दीन ऐबक (अजमेर)
लाल महल	बलबन (दिल्ली)
अलई दरवाजा (दिल्ली)	अल्लाउद्दीन ख़िलजी
जमातखाना मस्ज़िद (दिल्ली)	अल्लाउद्दीन ख़िलजी
सिकन्दर लोदी मकबरा	इब्राहिम लोदी (दिल्ली)
सुल्तानगढ़ी	इल्तुतमिश (दिल्ली)
हौज ए - शम्सी	इल्तुतमिश
अतरीन का दरवाजा	इल्तुतमिश
हौज ए - ख़ास	अल्लाउद्दीन ख़िलजी
तुगलकाबाद	गयासुद्दीन तुगलक
आदिलाबाद का किला	मुहम्मद बिन तुगलक
जहापनाह नगर	मुहम्मद बिन तुगलक
कोटला फिरोजशाह	फिरोजशाह तुगलक
काली मस्ज़िद	फिरोजशाह तुगलक

★ प्रमुख राजवंश ओर उनके संस्थापक

राजवंश	संस्थापक	राजवंश	संस्थापक
हर्यक वंश	बिम्बिसार	चौहान वंश	वासुदेव
नन्द वंश	महापद्म नन्द	चंदेल वंश	नन्नुक
मौर्य वंश	चंद्रगुप्त मौर्य	गुलाम वंश	कुतुबुद्दीन ऐबक
गुप्त साम्राज्य	श्री गुप्त	ख़िलजी वंश	जलालुद्दीन ख़िलजी
पाल वंश	गोपाल	तुग़लक़ वंश	गयासुद्दीन तुगलक
पल्लव वंश	सिंहविष्णु	सैय्यद वंश	खिज्र खा
राष्ट्रकूट वंश	दन्तिदुर्ग	लोदी वंश	बहलोल लोदी
चालुक्य वातापी	पुलेकेशिन २	विजनगर	हरिहर व बुक्का
चालुक्य कल्याणी	तैलप द्वितीय	बहमनी वंश	हसन गंगू
चोल वंश	विजयालय	मुगल वंश	बाबर
सेन वंश	सामन्तसेन	गुर्जर वंश	नागभट्ट

प्रमुख भारतीय लेखक व उनकी पुस्तकें

लेखक	पुस्तक	लेखक	पुस्तक
पंचतंत्र	विष्णु शर्मा	प्रेमवाटिका	रसखान
मृच्छकटिकम्	शूद्रक	कामसूत्र	वात्स्यायन
दायभाग	जीमूतवाहन	नेचुरल हिस्ट्री	प्लिनी
दशकुमारचरितम्	दण्डी	अवंती सुन्दरी	दण्डी
बुध्दचरितम्	अश्वघोष	कादम्बरी	बाणभट्ट
अमरकोष	अमर सिहं	शाहनामा	फिरदौसी
साहित्यलहरी	सूरदास	सूरसागर	सूरदास
हुमायूँनामा	गुलबदन बेगम	नीति शतक	भर्तृहरि
मुद्राराक्षस	विशाखदत्त	अष्टाध्यायी	पाणिनी
महाभारत	वेदव्यास	मिताक्षरा	विज्ञानेश्वर
राजतरंगिणी	कल्हण	अर्थशास्त्र	चाणक्य
कुमारसंभवम्	कालिदास	रघुवंशम्	कालिदास
गीतगोविन्द	जयदेव	मालतीमाधव	भवभूति
पद्मावत्	म॰ मो. जायसी	अकबरनामा	अबुल फजल
किताबुल हिन्द	अलबरूनी	चित्रांगदा	R नाथ टैगौर
गीतांजली	R नाथ टैगौर	हंग्री स्टोन्स	R नाथ टैगौर

★ भारत इतिहास के प्रमुख युद्ध

युद्ध	समय	व्यक्ति
हाइडेस्पीज का युद्ध	326 ई॰ पू॰	सिकंदर (✓) + पोरस
कलिंग का युद्ध	261 ई॰ पू॰	अशोक(✓) + कलिंग
सिंध की लड़ाई	712 ई॰	मोहम्मद कासिम (✓)
तराइन का प्रथम युद्ध	1191 ई॰	मोहम्मद गोरी + पृथ्वीराज ✓
तराइन का द्वितीय युद्ध	1192 ई॰	मोहम्मद गोरी ✓ + पृथ्वीराज
चन्द्रावर का युद्ध	1192 ई॰	मोहम्मद गोरी ✓ + जयचंद
पानीपत का प्रथम युद्ध	1526 ई॰	बाबर ✓ + इब्राहिम लोदी
खानवा का युद्ध	1527 ई॰	बाबर ✓ + राणा सांगा
घाघरा का युद्ध	1529 ई॰	बाबर ✓ + अफगानों के बीच
चौसा का युद्ध	1539 ई॰	हुमायूं + शेरशाह सूरी ✓
कन्नौज/ बिलग्राम युद्ध	1540 ई॰	हुमायूं + शेरशाह सूरी ✓
पानीपत का द्वितीय युद्ध	1556 ई॰	अकबर ✓ + हेमू
तालिकोटा युद्ध	1565 ई॰	विजनगर का अंत
हल्दीघाटी का युद्ध	1576 ई॰	अकबर ✓ + राणा प्रताप
प्लासी का युद्ध	1757 ई॰	अंग्रेज ✓ + सिराजुदौला
बांडीवाश का युद्ध	1760 ई॰	अंग्रेज ✓ + फ्रांसीसी

☆वो पहला चाइनीज, जो बिना इजाजत इंडिया आया!!☆

◇तब के राजा ने इंडिया आने की इजाजत नहीं दी थी. लेकिन बाद में जब इंडिया के बारे में जाना, तो सुट्ट रह गया.◇

HIUEN TSANG (XUANZANG)

(ह्वेनसांग)

☆"बुद्ध के अनुयायियों के लिए यह जगह पवित्र और पूजनीय है, इतिहास इसका गवाह रहा है. तभी तो पहले 5वीं सदी में चीनी यात्री फाहियान बुद्ध की शिक्षा और संदेशों का गहन अध्ययन करने भारत आया और फिर ह्वेन त्सांग।"☆

•ये भी चाइना के बौद्ध साधु थे. 7वीं सेंचुरी में घूमने निकल गए थे।

【ड्राइविंग फ़ोर्स:】

•इन्हें बचपन से ही पढ़ना बहुत पसंद था. घर में एरिस्टोक्रेटिक माहौल होने के बाद भी उनका मन बौद्ध संन्यास में ज्यादा लगता था.

•20 साल की उम्र में ह्वेनसांग बौद्ध साधु बन चुके थे. काफी किताबें भी पढ़ ली थीं, लेकिन भारत आ कर बुद्धिस्ट किताबों और उपदेशों को अच्छे से पढ़ना-समझना चाहते थे।
•इसीलिए घूमने निकल पड़े।

Yogesh Gautam

【फैमिली बैकग्राउंड:】

•ह्वेनसांग बचपन से इंटेलेक्चुअल लोगों के बीच पले-बढ़े थे. उनके परदादा शाही दरबार में मंत्री थे. दादाजी प्रोफेसर थे।
•पढ़ने-लिखने का माहौल था, और रुपये-पैसे की भी कमी नहीं थी. मतलब अपर मिडिल क्लास या अपर क्लास परिवार से रहे होंगे।

【 ट्रेवल रूट/जगहें:】

•चाइना से चुपके से खिसक लेने के बाद ह्वेनसांग गोबी रेगिस्तान से होते हुए ताशकंद पहुंचे. चुपके से इसलिए क्योंकि चाइना की फॉरेन पॉलिसी तब भी बड़ी स्ट्रिक्ट थी।
•ताशकंद यानी आज के उज्बेकिस्तान की राजधानी. फिर रेगिस्तान पार कर के समरकंद पहुंचे. फाइनली अफ़ग़ानिस्तान होते हुए भारत आए।
•इस पूरे रास्ते वो बौद्ध मठों में ठहरते थे. वहां के बौद्ध साधुओं से मिलते थे. ह्वेनसांग पेशावर, गंधार, तक्षशिला, सब जगह घूम आए थे. फिर उसके बारे में लिखा भी था।
•ह्वेनसांग भारत आकर खूब घूमे. लाहौर, लुधियाना, मथुरा, अयोध्या, कौशाम्बी, श्रावस्ती, लुंबिनी, बनारस, कपिलवस्तु, नालंदा, सब जगह. कन्नौज भी पहुंचे, जहां वो हर्षवर्धन से भी मिले. हर्षवर्धन उस वक़्त के सबसे बड़े राजा थे. जिनकी राजधानी कन्नौज थी।

◇ चीनी यात्रियों का भारत मे आने का क्रम◇
• फाहीयान (399 ई.)
• संयुगन (518 ई.)
• हर्षेन्सांग (630ई)
• ईत्सिंग (7 वी सदी के अंत मे)

【मुश्किलें:】

•ह्वेनसांग के सामने सबसे पहली मुश्किल तो सफ़र शुरू करने से पहले ही आ गई थी।
•उस वक्त के चाइना के राजा किसी को मुल्क से बाहर नहीं जाने देते थे. ह्वेनसांग को भी भारत जाने की इजाजत नहीं थी।
•इसीलिए उन्हें चुपके से भारत के लिए निकलना पड़ा. वापस लौटते वक़्त उन्होंने चाइना के राजा को चिट्ठी लिख के बताया कि घूम-घूम कर उन्होंने क्या-क्या सीखा।
•फिर तो राजा ने उन्हें वापस चाइना आने दिया. और उतना ही नहीं, उन्हें अपना एडवाइजर भी बना लिया।

【आउटपुट:】

•ह्वेनसांग ने अपना ट्रेवल अकाउंट लिखा. जिसका नाम था 'ग्रेट टैंग रिकार्ड्स ऑन द वेस्टर्न रीजन्स'।
•इस किताब का इस्तेमाल भारत और सेंट्रल एशिया की उस वक़्त की हिस्ट्री जानने-समझने के लिए की जाती हैं।
•पूरे रास्ते की जियोग्राफी के साथ-साथ बौद्ध साधुओं और मठों के बारे में भी लिखा है इस किताब में. इसके अलावा काफी सारी किताबें लिखी गईं ह्वेनसांग के बारे में।

☆ वह 'हर्षवर्धन' के शासनकाल में भारत आया। लगभग 15 वर्षो तक रहा। अपनी पुस्तक 'सी-यू-की' में अपनी यात्रा और तात्कालिक भारत का विवरण दिया।

◇सल्तनत काल की प्रमुख पुस्तके/लेखक◇

१. तारीख-ए-फिरोजशाही ✍️ जियाउद्दीन बरनी
२. फतवा-ए-जहांदारी ✍️जियाउद्दीन बरनी
३. तबकात-ए-नासिर ✍️मिनहाज-उस-सिराज
४. फुतूहात-उस-सलातीन ✍️ख्वाजा अब्दुल्ला मलिक'इसामी'
५. किताब-उल-रेहला ✍️इब्नेबतूता
६. फुतूहात-उल-फिरोजशाही ✍️फिरोजशाह तुगलक
७. तहकीक-ए-हिन्द ✍️अलबरूनी
८. तारीख-ए-मुबारकशाही ✍️याहिया बिन अहमद सरहिन्दी
९. तारीख-ए-सलातीन-ए-अफगान ✍️ अहमद यादगार
१०.ताज-उल-मासिर ✍️ हसन निजामी
११.खजयान-उल-फतह ✍️अमीर खुसरो
१२.तारीख-ए-अलाई ✍️अमीर खुसरो
१३.तुगलकनामा ✍️अमीर खुसरो
१४.ब्रह्मसूत्र ✍️बादरायण
१५.तारीख-ए-मुहम्मदी ✍️मुहम्मद बिहमद खान
१६.मुनशत-ए-महरू ✍️
आइन-उल-मुल्क-मुल्तानी
१७.तारीख-ए-सिन्ध ✍️मीर मुहम्मद मासूम
१८.तारीख-ए-यामिनी ✍️उत्बी
१९.तारीख़-ए-फ़िरोजशही ✍️शम्स-ए-शिराज
२०.तारीख़-ए-दाउदी ✍️अब्दुल्ला
२१.जफरनामा ✍️मौलाना याजदी
२२.कामिल-उत-तवारीख़ ✍️शेख अबुल हसन
२३.सियार-उल-औलिया ✍️मीर खुर्द
२४.गुलजार-ए-अवरार ✍️मुहम्मद गौसी
२५.तारीख़-ए-वसफ़ ✍️अब्दुल्ला शिराजी
२६.खालिक बारी ✍️अमीर खुसरों

YOGESH GAUTAM

२७.हम्मीर मद-मर्दन ✍️जयसिंह सूरी
२८.गीत गोविन्द ✍️जयदेव
२९.हरकेलि नाटक ✍️विग्रहराज |V-बीसलदेव
३०.ललित विग्रहराज ✍️सोमदेव
३१.प्रसन्न राघव ✍️जयदेव
३२.प्रद्युम्नाभ्युदय ✍️रविवर्मन
३३.पार्वती परिणय ✍️वामनभट्ट बाण
३४.पृथ्वीराज रासो ✍️चंद बरदाई
३५.जाम्बवती कल्याणम ✍️कृष्णदेव राय
३६.राजतरंगिणी ✍️कल्हण
३७.बीसलदेव रासो ✍️नरपतिनाल्ह
३८.चंदायन ✍️ मुल्ला दाउद
३९.आल्हखंड ✍️ जगनिक
४०.पदमावत ✍️मलिक मुहम्मद जायसी
४१.मृगावती ✍️ कुतुबन
४२.नरकासुर विजय ✍️माधव
४३.शस्त्रदीपिका ✍️पार्थसारथी
४४.रामायण विलाप ✍️राजा विरुपाक्ष
४५.शंकर विजय ✍️विद्यारण्य
४६.विजयपालरासो ✍️नल्ल सिंह
४७.मधुमालती ✍️मंझन

☆ प्रमुख राजवंश और उनके संस्थापक ☆

☆ हर्यक वंश	- बिम्बिसार
☆ नन्द वंश	- महापदम नन्द
☆ मौर्य साम्राज्य	- चन्द्रगुप्त मौर्य
☆ गुप्त वंश	- श्रीगुप्त
☆ पाल वंश	- गोपाल
☆ पल्लव वंश	- सिंहविष्णु
☆ राष्ट्रकूट वंश	- दन्तिदुर्ग
☆ चालुक्य-वातापी वंश	- पुलकेशिन प्रथम
☆ चालुक्य-कल्याणी वंश	- तैलप-द्वितीय
☆ चालुक्य- वेंगी वंश	- विष्णु वर्धन
☆ चोल वंश	- विजयालय
☆ सेन वंश	- सामन्तसेन
☆ शुंग वंश	- पुष्यमित्र शुंग
☆ कण्व वंश	- वसुदेव
☆ कुषाण वंश	- कुजुल विम कडफिसस
☆ गहड़वाल वंश	- चन्द्रदेव
☆ गंग वंश	- वज्रहस्त पंचम
☆ गुर्जर प्रतिहार वंश	- नागभट्ट
☆ चौहान वंश	- वासुदेव
☆ चंदेल वंश	- नन्नुक
☆ गुलाम वंश	- कुतुबुद्दीन ऐबक
☆ ख़िलजी वंश	- जला. फिरोज ख़िलजी
☆ तुगलक वंश	- गयासुद्दीन तुगलक
☆ सैयद वंश	- खिज्र खान
☆ लोदी वंश	- बहलोल लोदी
☆ विजयनगर साम्राज्य	- हरिहर एवं बुक्का
☆ बहमनी साम्राज्य	- हसन गंगू
☆ मुगल वंश	- बाबर

Yogesh Gautam

• जन्म - 9 मई 1540
• जन्म स्थान- कुम्भलगढ़ दुर्ग (मेवाड़)
वर्तमान में यह राजसमंद जिला,राजस्थान

• पिता - महाराणा उदयसिंह(मृत्यु1572)
• माता - महारानी जयवंताबाई
• दादा - राणा सांगा

< पत्नी - महारानी अजबदे पंवार,सहित 11
< संतान - अमरसिंह,भगवानदास,सहित 17

महापराक्रमी वीर
कुँवर प्रताप सिंह (महाराणा प्रताप)

• मृत्यु - 19 जनवरी 1597
• स्थल - चावण्ड (मेवाड़)
वर्तमान में उदयपुर,राजस्थान

< वंश - सूर्यवंश
< राजवंश - सिसोदिया
< राजघराना - राजपूताना
< उत्तराधिकारी-राणा अमरसिंह
< शासन -1568-1597(29 वर्ष)

☆ प्रिय घोड़ा - चेतक

•बचपन का नाम- कीका

◇मेवाड़ के 13 वे महाराणा◇

◇अपने समय मे कभी भी 'अकबर' की अधीनता स्वीकार नही की,और न कभी उनके आगे झुके।

★ उनका भाला- 81किग्रा.,कवच- 72किग्रा.,ढाल और दो तलवार सबका कुल वजन- 208किग्रा. था।

YG

◇प्रमुख युद्ध:-

१. हल्दीघाटी का युद्ध - 18 जून 1576
महाराणा प्रताप ⚔ अकबर की सेना की ओर से आमेर के सरदार राजा मानसिंह,आसफ खाँ के बीच!
परिणाम- मुगलों के 80000 सैनिक व मेवाड़ से लगभग-20000 योद्धा व 500 भीलों के साथ भयंकर युद्ध में लगभग 17000 सैनिक मरे। अंततः मुगलों का कुम्भलगढ़,गोगुंदा, उदयपुर पर कब्जा।
(जनरल जेम्स टॉड के अनुसार)

जेम्स टॉड ने - हल्दीघाटी युद्ध को 'थर्मोपॉली' कहा।

२. दिवेर-छापली का युद्ध- 1582
महाराणा प्रताप ⚔ अकबर की सेना के बीच
परिणाम- महाराणा प्रताप व मुगलो के बीच भीषण युद्ध बहलोल खान महाराणा प्रताप ने मार गिराया,36000 मुगल सैनिक आत्मसमर्पण किये।मुगल सेना पराजित।निर्णायक युद्ध मे गोगुंदा,कुम्भलगढ़,बस्सी,चावंड, जावर,मदारिया,मोही,मांडलगढ़ पर मेवाडो का फिर से कब्जा।

-'मेवाड़ का मैराथन' की संज्ञा दी गयी।

Note:-छापामार युद्ध प्रणाली 'महाराणा उदयसिंह' ने शुरू की बाद में महाराणा प्रताप,महाराणा राजसिंह व शिवाजी ने इसका प्रयोग किया।

प्रमुख प्राचीन भारतीय दर्शन

1•आस्तिक दर्शन:

दर्शन	ग्रन्थ	प्रणेता	विशेषता
☆न्याय	न्यायसूत्र	•महर्षि गौतम	पदार्थो के तत्वज्ञान से मोक्ष प्राप्ति का वर्णन
☆वैशेषिक	वैशेषिकसूत्र	•महर्षि कणाद/उलूक	धर्म के सच्चे स्वरूप का वर्णन
☆सांख्य	तत्वसमास	•महर्षि कपिल	सृष्टि का उपादान कारण 'प्रकृति'को माना
☆योग	योगसूत्र	•महर्षि पतंजलि	ईश्वर,जीवात्मा,प्रकृति का स्पष्ट रूप से वर्णन
☆मीमांसा (पूर्व मीमांसा)	मीमांसासूत्र	•महर्षि जैमिनी	वैदिक यज्ञों से मंत्रों का विनियोग,यज्ञों की प्रक्रिया
☆वेदांत (उत्तर मीमांसा)	ब्रह्मसूत्र	•महर्षि बादरायण	वेदों का अंतिम सिद्धांत(ब्रह्मसूत्र व्यास द्वारा रचित

2•नास्तिक दर्शन:

☆चार्वाक	ब्रहस्तिसूत्र	•चार्वाक/ब्रहस्पति	वेदविरोधी,भौतिकवादी दर्शन/लोकायत दर्शन भी
☆बौद्ध	त्रिपिटक	•गौतम बुद्ध	बुद्ध के उपदेशों का संकलन(सुत्त,विनय,अभिधम्म पि
☆जैन	तत्वार्थसूत्र	•24 तीर्थंकर	महावीर के उपदेश 45 सूत्रों में संकलित

◇वेदांत आधारित अन्य दार्शनिक मत

भाष्यकार	वाद	भाष्य
○शंकराचार्य	अद्वैतवाद	शंकरभाष्य
○रामानुजाचार्य	विशिष्टाद्वैतवाद	श्रीभाष्य
○माध्वाचार्य	द्वैतवाद	पूर्णप्रज्ञभाष्य
○वल्लभाचार्य	शुद्धाद्वैतवाद	अणुभाष्य
○निम्बकाचार्य	भेदभेदवाद	वेदांत परिजात सौरभ

YOGESH GAUTAM

भारत के इतिहास की महत्वपूर्ण संधिया

संधि	वर्ष	किसके मध्य	परिणाम
•पुरन्दर की संधि	1665	शिवाजी-जयसिंह	शिवाजी ने 23 किले मुगलो को दिए
•रिजविक की संधि	1697	डचों और फ्रांस	पांडिचेरी फ्रांस को लौटाया
•दिल्ली की संधि	1719	मराठों-मुगलो	----------
•मुंशी शिवगांव की संधि	1728	निजामुलमुल्क-बाजीराव	बाजीराव ने निजाम.को पालखेड़ा में हराया
•वारना की संधि	1731	शाहू-शम्भाजी||	सतारा पर शाहू,व कोल्हापुर पर शम्भाजी|| राज
•दुरई-सराय की संधि	1738	बाजीराव-निजाम	मराठो के पक्ष में
•एक्स-ला-शापेल की संधि	1748	आंग्ल-फ्रांसीसी	| कर्नाटक युद्ध/सेन्टथोमे या अड्यार युद्ध की देन
•संगोला की संधि	1750	बाजीराव-राजाराम||	पेशवा मराठा शक्ति का वास्तविक प्रधान
•पांडिचेरी की संधि	1755	आंग्ल-फ्रांसीसी	||कर्नाटक युद्ध/अम्बूर युद्ध(1749) की देन
•अलीनगर की संधि	1757	अंग्रे.-सिराजुदौला	समझौता
•पेरिस की संधि	1763	आंग्ल-फ्रांसीसी	तृतीय कर्नाटक/वांडिवाश युद्ध(1760) की देन
•इलाहाबाद की | संधि	12अग.1765	अंग्रे.-शाहआलम||	शाह.को इला.-कड़ा जिले मिले
•इलाहाबाद की || संधि	16अग.1765	अंग्रे.-शुजाउदोला	अंग्रेजो को 50 लाख रु मिले
•मद्रास की संधि	1769	अंग्रे.-हैदरअली	हैदर की प्रतिष्ठा बढ़ी
•बनारस की संधि	1773	शुजाउदोला-अंग्रे.	इला.-कड़ा जिले नवाब को बेचे
•सूरत की संधि	1775	अंग्रे.- रघुनाथराव	----------
•फैजाबाद की संधि	1775	अंग्रे.-आसफुदौला	बनारस पर अंग्रे.का अधिकार
•पुरन्दर की संधि	1776	हेस्टिंग-पूना सरकार	----------
•बड़गांव की संधि	1779	अंग्रे.-मराठा	अंग्रे.ने सभी विजितक्षेत्र मराठो को सोपे
•सालबाई की संधि	1782	अंग्रेज-मराठो	----------
•मंगलौर की संधि	1784	अंग्रे.-टीपू	एक दूसरे के विजित प्रदेश वापस
•श्रीरंगपट्टनम की संधि	1792	अंग्रे.-टीपू	टीपू को 3 करोड़ हर्जाना,आधा राज्य देना पड़ा
•वेलेजली की सहा.संधि	1798	निजाम-अंग्रेजो	हैदराबाद के शासक अंग्रेजो पर आश्रित हो गए
•देवगांव की संधि	1803	अंग्रेज- मराठो	---------
•अमृतसर की संधि	1809	अंग्रे.-रणजीतसिंह	सतलज के द.पूर्व अंग्रेज, तथा उत्तर में सिखों का क्षेत्र
•ग्वालियर की संधि	1817	दौलतराव सिंधिया-अंग्रे.	----------
•मंदसौर की संधि	1818	होल्कर-अंग्रेज	----------
•लाहौर की संधि	1846	अंग्रेज-सिखों	लाहौर दरबार को 1.5करोड़ हर्जाना

भारत के इतिहास की महत्वपूर्ण संधिया

संधि	वर्ष	किसके मध्य	परिणाम
•पुरन्दर की संधि	1665	शिवाजी-जयसिंह	शिवाजी ने 23 किले मुगलो को दिए
•रिजविक की संधि	1697	डचों और फ्रांस	पांडिचेरी फ्रांस को लौटाया
•दिल्ली की संधि	1719	मराठों-मुगलो	----------
•मुंशी शिवगांव की संधि	1728	निजामुलमुल्क-बाजीराव	बाजीराव ने निजाम.को पालखेड़ा में हराया
•वारना की संधि	1731	शाहू-शम्भाजी||	सतारा पर शाहू,व कोल्हापुर पर शम्भाजी|| राज
•दुरई-सराय की संधि	1738	बाजीराव-निजाम	मराठो के पक्ष में
•एक्स-ला-शापेल की संधि	1748	आंग्ल-फ्रांसीसी	| कर्नाटक युद्ध/सेन्टथोमे या अड्यार युद्ध की देन
•संगोला की संधि	1750	बाजीराव-राजाराम||	पेशवा मराठा शक्ति का वास्तविक प्रधान
•पांडिचेरी की संधि	1755	आंग्ल-फ्रांसीसी	||कर्नाटक युद्ध/अम्बूर युद्ध(1749) की देन
•अलीनगर की संधि	1757	अंग्रे.-सिराजुदौला	समझौता
•पेरिस की संधि	1763	आंग्ल-फ्रांसीसी	तृतीय कर्नाटक/वांडिवाश युद्ध(1760) की देन
•इलाहाबाद की | संधि	12अग.1765	अंग्रे.-शाहआलम||	शाह.को इला.-कड़ा जिले मिले
•इलाहाबाद की || संधि	16अग.1765	अंग्रे.-शुजाउदोला	अंग्रेजो को 50 लाख रु मिले
•मद्रास की संधि	1769	अंग्रे.-हैदरअली	हैदर की प्रतिष्ठा बढ़ी
•बनारस की संधि	1773	शुजाउदोला-अंग्रे.	इला.-कड़ा जिले नवाब को बेचे
•सूरत की संधि	1775	अंग्रे.- रघुनाथराव	----------
•फैजाबाद की संधि	1775	अंग्रे.-आसफुदौला	बनारस पर अंग्रे.का अधिकार
•पुरन्दर की संधि	1776	हेस्टिंग-पूना सरकार	----------
•बड़गांव की संधि	1779	अंग्रे.-मराठा	अंग्रे.ने सभी विजितक्षेत्र मराठो को सोपे
•सालबाई की संधि	1782	अंग्रेज-मराठो	----------
•मंगलौर की संधि	1784	अंग्रे.-टीपू	एक दूसरे के विजित प्रदेश वापस
•श्रीरंगपट्टनम की संधि	1792	अंग्रे.-टीपू	टीपू को 3 करोड़ हर्जाना,आधा राज्य देना पड़ा
•वेलेजली की सहा.संधि	1798	निजाम-अंग्रेजो	हैदराबाद के शासक अंग्रेजो पर आश्रित हो गए
•देवगांव की संधि	1803	अंग्रेज- मराठो	---------
•अमृतसर की संधि	1809	अंग्रे.-रणजीतसिंह	सतलज के द.पूर्व अंग्रेज, तथा उत्तर में सिखों का क्षेत्र
•ग्वालियर की संधि	1817	दौलतराव सिंधिया-अंग्रे.	----------
•मंदसौर की संधि	1818	होल्कर-अंग्रेज	----------
•लाहौर की संधि	1846	अंग्रेज-सिखों	लाहौर दरबार को 1.5करोड़ हर्जाना

1857 के बाद प्रकाशित अंग्रेजी समाचार पत्र

समाचार पत्र	वर्ष	स्थान	सम्पादक/संस्थापक
१. टाइम्स ऑफ इंडिया	-1862	- कलकत्ता	-रॉबर्ट नाइट/थॉमस बेनेट
२. स्टेट्समैन	-1875	- कलकत्ता	-रॉबर्ट नाइट
३. फ्रेण्ड ऑफ इंडिया	-	- कलकत्ता	-------
४. इंग्लिशमैन	-	- कलकत्ता	-------
५. पायनियर	-1865	- इलाहाबाद	-अल्फ्रेड सिनेट
६. मद्रास मेल	-1868	- मद्रास	------
७. द हिन्दू	-1878	- मद्रास	-वी.राघवाचारी/जी.एस.अय्यर
८. मराठा	-1881	- बम्बई	-आगरकर/बी.जी.तिलक
९. हिंदुस्तान स्टैंडर्ड	-1899	-------	-सच्चिदानंद सिन्हा
१०.कॉमनवील	-1914	- मद्रास	-एनीबेसेन्ट
११.न्यू इंडिया	-1916	- मद्रास	-एनीबेसेन्ट
१२.द लीडर	-1909	- इलाहाबाद	-मदनमोहन मालवीय
१३.गदर	-1913	- सैन फ्रांसिस्को	-लालाहरदयाल
१४.डॉन	-1917	- कराची	-मुहम्मद जिन्ना
१५.यंग इंडिया	-1919	- अहमदाबाद।	-महात्मा गांधी
१६. इंडिपेंडेंस	-1919	- इलाहाबाद	-मोतीलाल नेहरू
१७.हिंदुस्तान टाइम्स	-1922	- दिल्ली	-के.एम.पणिक्कर
१८.नेशनल हेराल्ड	-1938	------	-जवाहरलाल नेहरू
१९.कामरेड	-1911	- कलकत्ता	-मौलाना मु.अली

मुस्लिम सुधार आन्दोलन
{Muslim Reform Movements}

आंदोलन	वर्ष	संस्थापक	स्थान
१. फरायजी आंदोलन	1804	हाजी शरीयतुल्ला, दादू मियां	फरीदपुर (पू बंगाल)
२. तैय्यूनी आंदोलन	1839	करामत अली जौनपुरी	ढाका
३. मोहम्डन लिट्रेटी सोसायटी	1863	अब्दुल लतीफ	कलकत्ता
४. दार-उल-उलूम देवबंद	1866	क़ासिम ननौतवी,राशिद गंगोही,हुसैन अहमद	देवबंद
५. अलीगढ़ आंदोलन	1875	सर सैयद अहमद खान	अलीगढ़
६. अहमदिया आंदोलन	1889	मिर्जा गुलाम अहमद	गुरदासपुर
७. नदवतुल आंदोलन	1894/96	मौलाना शिवली नूमानी	लखनऊ

Yogesh Gautam
YG

चर्चित कार्य:-

☆सैयद अहमद खान-तहजीब-उल-अखलाक,राजभक्त मुसलमान(पत्रिकाए),असबाब-ए-बगावत-ए -हिन्द(पु.),साइंटिफिक सोसायटी(1864)स्था,अलीगढ़ स्कूल-1875 में बाद में 1877 में यह'मुहम्मडन एंग्लो ओरियन्टल कॉलेज', 1920 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय बना।

★मिर्जा गुलाम अहमद- 1890 में 'बहरीन-ए-अहमदिया'(पुस्.),मुस्लिमो के 'जेहाद' का विरोध किया।

☆राशिद अह.गंगोही, कासिम ननौतवी-1866 में 'दारुल-उलूम' देवबंद की स्थापना।

★शिबली नोमानी-1894/96में 'नवदतुल-उलूम-मदरसा' की स्थापना।

आंदोलनों के उद्देश्य(क्रमशः)

१-इस्लाम के मूल सिद्धांतों पर बल।

२---------------।

३-शोषित व पिछड़े मुस्लिमों को शिक्षित कर विकास की मुख्य धारा में लाना।

४-हदीस की शिक्षा का प्रसार एवं विदेशी शासन के विरुद्ध जेहाद।

५-आधुनिक विचारों व पाश्चात्य शिक्षा द्वारा मुस्लिमों की स्तिथि में सुधार।

६-धर्मोपदेश और नियमो को उदार बनाना।

७-मुस्लिम शिक्षा प्रणाली में वैज्ञानिक एवं अंग्रेजी शिक्षा का प्रवेश।

ब्रिटिश भारत मे आए अकाल से सम्बंधित समितियां/आयोग

समिति/आयोग	गठन वर्ष	सिफारिश
१. कर्नल स्मिथ समिति	1860-61	-दिल्ली के आस पास क्षेत्रो में आये अकाल के कारणों/उग्रता की जांच की।
२. जार्ज कैम्पबेल समिति	1866-67	-उड़ीसा में आये अकाल की रिपोर्ट पेश की। स्वयंसेवी संस्था ही राहत कार्य के लिए उत्तरदायी नही।
३. स्ट्रेची आयोग(लार्ड लिटन)	1880	-जरूरतमंद लोगो तक सहायता पहुँचे।अकाल कोष की सिफारिश।
४. लायल आयोग(लार्ड एल्गिन II)	1897	-1896-96(महान अकाल) के विषय मे नीतियों में लालीचलापन/परिवर्तन की अनुशंसा।
५. सर एंटनी मैकडोनल आयोग (लार्ड कर्जन)	1900	-अकाल सहायता/नैतिक नीति व गांव स्तर के कार्यो को प्राथमिकता।
६. जॉन वुडहेड आयोग	1945	-अकाल जांच कमीशन बैठाया।

Imp:

१. कमियौंटी प्रथा प्रचलित थी - बिहार,उड़ीसा में।
☆(कमिया लोग अपने मालिक के बंधुआ खेत मजदूर थे)

२. पन्नियाल तथा हाली प्रथा - तमिलनाडु व गुजरात मे।
☆(बंधुआ खेत मजदूर)

३. अमीनी समिति(1778) सम्बंधित थी - भू-राजस्व तथा अकाल से।

४. 1792 में मद्रास और उत्तरी भारत मे सूखा तथा अकाल पड़ा।

५. 1837 में उत्तर प्रदेश में भीषण अकाल पड़ा।

भारत के प्रमुख ऐतिहासिक युद्ध

प्रमुख युद्ध

【01】 हाईडेस्पीज का युद्ध (Battle of the Hydaspes) समय : 326 ई.पू.
किसके बीच – सिकंदर और पंजाब के राजा पोरस के बीच हुआ, जिसमे सिकंदर की विजय हुई।

【02】 कलिंग की लड़ाई (Kalinga War) समय : 261 ई.पू.
किसके बीच – सम्राट अशोक ने कलिंग पर आक्रमण किया। युद्ध के रक्तपात को देखकर उसने युद्ध न करने की कसम खाई।

【03】 सिंध की लड़ाई (समय : 712 ई.)
किसके बीच – मोहम्मद कासिम ने अरबों की सत्ता स्थापित की।

【04】 तराईन का प्रथम युद्ध (Battles of Tarain) समय : 1191 ई.
किसके बीच – मोहम्मद गौरी और पृथ्वी राज चौहान के बीच हुआ, जिसमे चौहान की विजय हुई।

【05】 तराईन का द्वितीय युद्ध (2nd Battles of Tarain) समय : 1192 ई.
किसके बीच – मोहम्मद गौरी और पृथ्वी राज चौहान के बीच हुआ, जिसमे मोहम्मद गौरी की विजय हुई।

【06】 चंदावर का युद्ध (Battle of Chandawar) समय : 1194 ई.
किसके बीच – इसमें मुहम्मद गौरी ने कन्नौज के राजा जयचंद को हराया।

【07】 पानीपत का प्रथम युद्ध (First Battle of Panipat) समय : 1526 ई.
किसके बीच – मुग़ल शासक बाबर और इब्राहीम लोधी के बीच।

【08】 खानवा का युद्ध (Battle of Khanwa) समय : 1527 ई.
किसके बीच – बाबर ने राणा सांगा को पराजित किया।

【09】 घाघरा का युद्ध (Battle of Ghagra) समय : 1529 ई.
किसके बीच – बाबर ने महमूद लोदी के नेतृत्व में अफगानों को हराया।

【10】 चौसा का युद्ध (Battle of Chausal) समय : 1539 ई.
किसके बीच – शेरशाह सूरी ने हुमायु को हराया।

【11】 कन्नौज /बिलग्राम का युद्ध (Battle of Kanauj or Billgram) समय : 1540 ई.
किसके बीच – एकबार फिर से शेरशाह सूरी ने हुमायूँ को हराया व भारत छोड़ने पर मजबूर किया।

【12】 पानीपत का द्वितीय युद्ध (Second Battle of Panipat) समय : 1556 ई.
किसके बीच – अकबर और हेमू के बीच।

【13】 तालीकोटा का युद्ध (Battle of Tallikota) समय : 1565 ई.
किसके बीच – इस युद्ध से विजयनगर साम्राज्य का अंत हो गय।

【14】 हल्दी घाटी का युद्ध (Battle of Haldighati) समय : 1576 ई.
किसके बीच – अकबर और राना प्रताप के बीच, इसमें राणा प्रताप की हार हुई।

【15】 प्लासी का युद्ध (Battle of Plassey) समय : 1757 ई.
किसके बीच – अंग्रेजो और सिराजुद्दौला के बीच, जिसमे अंग्रेजो की विजय हुई और भारत में अंग्रेजी शासन की नीव पड़ी।

【16】 वांडीवाश का युद्ध (Battle of Wandiwash) समय : 1760 ई.
किसके बीच – अंग्रेजो और फ्रांसीसियो के बीच, जिसमे फ्रांसीसियो की हार हुई।

【17】 पानीपत का तृतीय युद्ध (Third Battle of Panipat) समय : 1761 ई.
किसके बीच – अहमदशाह अब्दाली और मराठो के बीच, जिसमे फ्रांसीसियों की हार हुई।

【18】 बक्सर का युद्ध (Battle of Buxar) समय : 1764 ई.
किसके बीच – अंग्रेजो और शुजाउद्दौला, मीर कासिम एवं शाह आलम द्वितीय की संयुक्त सेना के बीच, जिसमे अंग्रेजो की विजय हुई।

【19】 प्रथम मैसूर युद्ध (समय : 1767-69 ई.)
किसके बीच – हैदर अली और अंग्रेजो के बीच, जिसमे अंग्रेजो की हार हुई।

【20】 द्वितीय मैसूर युद्ध (समय : 1780-84 ई.)
किसके बीच – हैदर अली और अंग्रेजो के बीच, जो अनिर्णित छूटा।

【21】 तृतीय आंग्ल मैसूर युद्ध (समय : 1790 ई.)
किसके बीच – टीपू सुल्तान और अंग्रेजो के बीच लड़ाई संधि के द्वारा समाप्त हुई।

【22】 चतुर्थ आंग्ल मैसूर युद्ध (समय : 1799 ई.)
किसके बीच – टीपू सुल्तान और अंग्रेजो के बीच, टीपू की हार हुई और मैसूर शक्ति का पतन हुआ।

【23】 चिलियान वाला युद्ध (समय : 1849 ई.)
किसके बीच – ईस्ट इंडिया कंपनी और सिखों के बीच हुआ था जिसमे सिखों की हार हुई।

【24】 भारत चीन सीमा युद्ध (समय : 1962 ई.)
किसके बीच – चीनी सेना द्वारा भारत के सीमा क्षेत्रो पर आक्रमण। कुछ दिन तक युद्ध होने के बाद एकपक्षीय युद्ध विराम की घोषणा। भारत को अपनी सीमा के कुछ हिस्सों को छोड़ना पड़ा।

【25】 भारत पाक युद्ध (Indo-Pakistani War) समय : 1965 ई.
किसके बीच – भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जिसमे पाकिस्तान की हार हुई। भारत पाकिस्तान के बीच शिमला समझौता हुआ।

【26】 भारत पाक युद्ध (Indo-Pakistani War) समय : 1971 ई.
किसके बीच – भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जिसमे पाकिस्तान की हार हुई। फलस्वरूप बांग्लादेश एक स्वतन्त्र देश बना।

【27】 कारगिल युद्ध (Kargil War) समय : 1999 ई.
किसके बीच - जम्मू एवं कश्मीर के द्रास और कारगिल क्षेत्रो में पाकिस्तानी घुसपैठियों को लेकर हुए युद्ध में पुनः पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा और भारतीयों को जीत मिली।

Yogesh Gautam
YG

भारत के प्रमुख ऐतिहासिक युद्ध

प्रमुख युद्ध

【01】 हाईडेस्पीज का युद्ध (Battle of the Hydaspes) समय : 326 ई.पू.
किसके बीच – सिकंदर और पंजाब के राजा पोरस के बीच हुआ, जिसमे सिकंदर की विजय हुई।

【02】 कलिंग की लड़ाई (Kalinga War) समय : 261 ई.पू.
किसके बीच – सम्राट अशोक ने कलिंग पर आक्रमण किया। युद्ध के रक्तपात को देखकर उसने युद्ध न करने की कसम खाई।

【03】 सिंध की लड़ाई (समय : 712 ई.)
किसके बीच – मोहम्मद कासिम ने अरबों की सत्ता स्थापित की।

【04】 तराईन का प्रथम युद्ध (Battles of Tarain) समय : 1191 ई.
किसके बीच – मोहम्मद गौरी और पृथ्वी राज चौहान के बीच हुआ, जिसमे चौहान की विजय हुई।

【05】 तराईन का द्वितीय युद्ध (2nd Battles of Tarain) समय : 1192 ई.
किसके बीच – मोहम्मद गौरी और पृथ्वी राज चौहान के बीच हुआ, जिसमे मोहम्मद गौरी की विजय हुई।

【06】 चंदावर का युद्ध (Battle of Chandawar) समय : 1194 ई.
किसके बीच – इसमें मुहम्मद गौरी ने कन्नौज के राजा जयचंद को हराया।

【07】 पानीपत का प्रथम युद्ध (First Battle of Panipat) समय : 1526 ई.
किसके बीच – मुग़ल शासक बाबर और इब्राहीम लोधी के बीच।

【08】 खानवा का युद्ध (Battle of Khanwa) समय : 1527 ई.
किसके बीच – बाबर ने राणा सांगा को पराजित किया।

【09】 घाघरा का युद्ध (Battle of Ghagra) समय : 1529 ई.
किसके बीच – बाबर ने महमूद लोदी के नेतृत्व में अफगानों को हराया।

【10】 चौसा का युद्ध (Battle of Chausal) समय : 1539 ई.
किसके बीच – शेरशाह सूरी ने हुमायु को हराया।

【11】 कन्नौज /बिलग्राम का युद्ध (Battle of Kanauj or Billgram) समय : 1540 ई.
किसके बीच – एकबार फिर से शेरशाह सूरी ने हुमायूँ को हराया व भारत छोड़ने पर मजबूर किया।

【12】 पानीपत का द्वितीय युद्ध (Second Battle of Panipat) समय : 1556 ई.
किसके बीच – अकबर और हेमू के बीच।

【13】 तालीकोटा का युद्ध (Battle of Tallikota) समय : 1565 ई.
किसके बीच – इस युद्ध से विजयनगर साम्राज्य का अंत हो गय।

【14】 हल्दी घाटी का युद्ध (Battle of Haldighati) समय : 1576 ई.
किसके बीच – अकबर और राना प्रताप के बीच, इसमें राणा प्रताप की हार हुई।

【15】 प्लासी का युद्ध (Battle of Plassey) समय : 1757 ई.
किसके बीच – अंग्रेजो और सिराजुद्दौला के बीच, जिसमे अंग्रेजो की विजय हुई और भारत में अंग्रेजी शासन की नीव पड़ी।

【16】 वांडीवाश का युद्ध (Battle of Wandiwash) समय : 1760 ई.
किसके बीच – अंग्रेजो और फ्रांसीसियो के बीच, जिसमे फ्रांसीसियो की हार हुई।

【17】 पानीपत का तृतीय युद्ध (Third Battle of Panipat) समय : 1761 ई.
किसके बीच – अहमदशाह अब्दाली और मराठो के बीच, जिसमे फ्रांसीसियों की हार हुई।

【18】 बक्सर का युद्ध (Battle of Buxar) समय : 1764 ई.
किसके बीच – अंग्रेजो और शुजाउद्दौला, मीर कासिम एवं शाह आलम द्वितीय की संयुक्त सेना के बीच, जिसमे अंग्रेजो की विजय हुई।

【19】 प्रथम मैसूर युद्ध (समय : 1767-69 ई.)
किसके बीच – हैदर अली और अंग्रेजो के बीच, जिसमे अंग्रेजो की हार हुई।

【20】 द्वितीय मैसूर युद्ध (समय : 1780-84 ई.)
किसके बीच – हैदर अली और अंग्रेजो के बीच, जो अनिर्णित छूटा।

【21】 तृतीय आंग्ल मैसूर युद्ध (समय : 1790 ई.)
किसके बीच – टीपू सुल्तान और अंग्रेजो के बीच लड़ाई संधि के द्वारा समाप्त हुई।

【22】 चतुर्थ आंग्ल मैसूर युद्ध (समय : 1799 ई.)
किसके बीच – टीपू सुल्तान और अंग्रेजो के बीच, टीपू की हार हुई और मैसूर शक्ति का पतन हुआ।

【23】 चिलियान वाला युद्ध (समय : 1849 ई.)
किसके बीच – ईस्ट इंडिया कंपनी और सिखों के बीच हुआ था जिसमे सिखों की हार हुई।

【24】 भारत चीन सीमा युद्ध (समय : 1962 ई.)
किसके बीच – चीनी सेना द्वारा भारत के सीमा क्षेत्रो पर आक्रमण। कुछ दिन तक युद्ध होने के बाद एकपक्षीय युद्ध विराम की घोषणा। भारत को अपनी सीमा के कुछ हिस्सों को छोड़ना पड़ा।

【25】 भारत पाक युद्ध (Indo-Pakistani War) समय : 1965 ई.
किसके बीच – भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जिसमे पाकिस्तान की हार हुई। भारत पाकिस्तान के बीच शिमला समझौता हुआ।

【26】 भारत पाक युद्ध (Indo-Pakistani War) समय : 1971 ई.
किसके बीच – भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जिसमे पाकिस्तान की हार हुई। फलस्वरूप बांग्लादेश एक स्वतन्त्र देश बना।

【27】 कारगिल युद्ध (Kargil War) समय : 1999 ई.
किसके बीच - जम्मू एवं कश्मीर के द्रास और कारगिल क्षेत्रो में पाकिस्तानी घुसपैठियों को लेकर हुए युद्ध में पुनः पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा और भारतीयों को जीत मिली।

Yogesh Gautam
YG

•प्रकाशन- 30 मई 1826
•प्रकाशक- पंडित जुगल किशोर शुक्ल
•निवासी- मूलरूप से कानपुर
•समाचार पत्र- साप्ताहिक (प्रत्येक मंगलवार को)
• स्थान- कोलकाता

उदन्त मार्तण्ड

(हिन्दी भाषा का प्रथम 'साप्ताहिक समाचार पत्र')

•कुल अंक- 79 प्रकाशित
•प्रकाशन बंद- दिसम्बर 1827 (केवल डेढ़ वर्ष तक)।
•प्रथम प्रिंटिंग प्रेस(1550में) पुर्तगाली मिशनरियों द्वारा स्था.।
•ईस्ट इंडिया क.द्वारा-1684 में बम्बई में प्रथम प्रिंटिंग प्रेस लगाई।
•1776 में 'विलियम बोल्ट्स' द्वारा सबसे पहला प्रयास समाचार पत्र प्रकाशित का प्रयास।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस 30 मई 2021

"उदन्त मार्तण्ड"

☆लोकतंत्र का 'चौथा स्तम्भ' भी पत्रकारिता को कहा जाता है।

☆उदन्त मार्तण्ड:-
इसका शाब्दिक अर्थ- समाचार सूर्य या बाल सूर्य था। यह हिन्दी का पहला समाचार पत्र था,जिसका प्रकाशन पंडित जुगल किशोर शुक्ल जी द्वारा 30 मई 1826 को कोलकाता से किया गया। यह साप्ताहिक(प्रत्येक मंगलवार) को प्रकाशित समाचार पत्र था। इसलिए इस दिवस को 'हिन्दी पत्रकारिता दिवस' के रूप में हर वर्ष मनाया जाता हैं।

YOGESH GAUTAM

हिन्दी भाषा के समाचार पत्र:-
१. भारत मित्र - बालमुकंद गुप्त
२. हिन्दुस्तान - मदन मोहन मालवीय
३. हिन्द-ए-स्थान - रामपालसिंह(कालाकांकर UP)
४. कवि वचन सुधा - भारतेंदु हरिश्चंद्र(1872 में उत्तर प्रदेश से)
५. ज्ञान प्रदायनी - नवीन चन्द्र रॉय (1866)
६. हिन्दी प्रदीप - बालकृष्ण भट्ट (1877 में उत्तर प्रदेश से)
७. आज - शिवप्रसाद गुप्त
८. हिन्दुस्तान - पं प्रताप नारायण मिश्र(1889)
९. प्रताप पत्र - गणेश शंकर विद्यार्थी (1913 में कानपुर से)
१०. नवजीवन(1919),हरिजन(1933) - महात्मा गांधी (हिंदी,गुजराती मे)

भारत से प्रकाशित हुए प्रमुख समाचार पत्र:-

१. बंगाल गजट(1780)-कोलकाता से - जेम्स ऑगस्टस हिक्की द्वारा(अंग्रेजी का प्रथम समाचार पत्र)भारत का पहल
२. बॉम्बे हेराल्ड(1789)-मुम्बई से - बॉम्बे कुरियर 'लंकेश बर्नर' द्वारा(बम्बई का पहला)।
३. समाचार दर्पण(1818)-कोलकाता- जे.सी.मार्शमैन द्वारा(भारत का प्रथम दैनिक पत्र)।
४. संवाद कौमुदी(1821)-कोलकाता- राजा राममोहन राय द्वारा(बंगाली में साप्ताहिक)।
५. बॉम्बे समाचार(1822)-मुम्बई- फ़ारदूनजी मुरजबान(भारत का लगातार प्रकाशित समा. पत्र-गुजराती,अंग्रेजी)।
६. मिरात-उल-अखबार(1822)- कोलकाता से-फ़ारसी भाषा में- राजाराममोहन राय द्वारा।
७. उदन्त-मार्तण्ड(1826)- कोलकाता से- पं. जुगलकिशोर शुक्ल द्वारा(हिन्दी का प्रथम समा.पत्र)
८. बॉम्बे टाइम्स(1838)- मुम्बई से- बेनेट/रॉबर्ट नाईट द्वारा(अंग्रेजी समा.पत्र)।
९. द स्टेट्समैन(1878)- कोलकाता/दिल्ली- रॉबर्ट नाईट द्वारा(अंग्रेजी समा.पत्र)।
१०अमृत बाजार पत्रिका(1868)- बंगाल से - सिसिर कुमार घोष द्वारा(बंगाली समा.पत्र)।
☆द हिन्दू(1878) मद्रास से,केसरी(1881)बम्बई से , द ट्रिब्यून(1881) , मलयाला मनोरमा(1890)।

भारत विभाजन के प्रमुख कारण
(Major Reasons for Partition of India)

वर्ष 1947 के भारत विभाजन को भारत की एक अत्यंत दुखद घटना के रूप में जाना जाता है। अंग्रेजी प्रशासन के निरंतर प्रयासों के कारण सदियों से साथ रहने वाले हिन्दू और मुस्लिम अपने मध्य धार्मिक मतभेदों को मिटाने में सफल नहीं हो पाए। अंग्रेजों ने मुस्लिमों को सहानुभूति प्रदान करने के लिए हिंदुओं और मुस्लिमों में भेद करना आरम्भ कर दिया, जिससे हिंदुओं और मुस्लिमों के बीच कई मनमुटाव उत्पन्न होने लगे, और वे एक दूसरे के लिए बाधाएं उत्पन्न करने लगे।

विभाजन किसी देश की भूमि का ही नहीं, बल्कि वहां रहने वाले समस्त नागरिकों की भावनाओं का भी होता है। लॉर्ड माउंटबेटेन ने भारत आकर यह अनुभव किया की कांग्रेस एक संयुक्त भारत का निर्माण और मुस्लिम लीग विभाजन चाहते हैं। कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों में समझौता करना असंभव था।

महात्मा गांधी द्वारा भारत विभाजन का विरोध किया गया। इसलिए माउंटबेटेन ने पंडित नेहरू और सरदार पटेल को पाकिस्तान की स्थापना के लिए स्वीकृति प्रदान करवाई और नेहरू व पटेल ने बेगुनाहों की हत्या व उन पर अत्याचारों से अच्छा पाकिस्तान की स्थापना करना ही सही समझा। अंततः माउंटबेटेन द्वारा दोनों की सहमति प्राप्त करते हुए 3 जून, 1947 को भारत विभाजन की योजना को प्रकाशित कर दिया गया जिसे माउंटबेटेन योजना के नाम से भी जाना जाता है।

Yogesh Gautam

【1947 भारत विभाजन के प्रमुख कारण】

१.(सांप्रदायिक दंगे)–
खिलाफत आंदोलन व असहयोग आंदोलन के समाप्त हो जाने के बाद देश में साम्प्रदायिक दंगें तेजी से बढ़ने लगे। जिसका सबसे बड़ा उदाहरण है- मोपला विद्रोह जिसने हिन्दू और मुस्लिम साम्प्रदायिकता में एक चिंगारी का कार्य किया था। जिसके चलते वर्ष 1927 में हिन्दू और मुस्लिम उपद्रव ने एक भयानक रूप धारण कर लिया। हिन्दू और मुस्लिम साम्प्रदायिकता ने इन दोनों के मध्य विरोध की भावना उत्पन्न करके एकता का अंत कर दिया। मुस्लिम लीग की प्रांतीय सरकारें भी उपद्रवियों की मदद कर रही थी, यही कारण था कि अंतरिम सरकारें भी उन दंगों को रोक नहीं पायी।

२.(मुस्लिम लीग स्थापना एवं मुस्लिम साम्प्रदायिकता)–
मुस्लिम नेताओं ने शिमला प्रतिनिधि मंडल के दौरान एक केंद्रीय मुस्लिम लीग की स्थापना करने का निर्णय लिया। 30 दिसंबर, वर्ष 1906 को अखिल भारतीय मुस्लिम लीग का गठन किया गया, जिसका प्रमुख उद्देश्य मुसलमानों के हित की रक्षा करना, दृष्टिकोण साम्प्रदायिकता और हठ धार्मिक करना था। मुस्लिम लीग द्वारा पाकिस्तान की प्राप्ति के लिए सीधी कार्यवाही शुरू करके साम्प्रदायिक दंगों का सहारा लिया गया। इन दंगों को रोकते और बेगुनाहों की हत्याओं को रोकने के लिए विभाजन के अलावा कोई और विकल्प नहीं रहा था।

३.(पाकिस्तान की मांग)–
वर्ष 1930 में सर मुहम्मद इकबाल जो मुस्लिम लीग के सभापति थे, ने भाषणों में यह कहा की मुस्लिम हितों की रक्षा के लिए एक पृथक राज्य की स्थापना करना अनिवार्य है। इकबाल ने मुस्लिम बुद्धिजीवियों को अपने हितों के लिए लड़ने के लिए प्रोत्साहित किया और साथ मिलकर पाकिस्तान बनाए जाने की मांग की। पाकिस्तान शब्द का प्रयोग सबसे पहले लंदन में स्थित कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के एक विद्यार्थी जिनका नाम चौधरी रहम अली एवं उनके तीन साथियों ने जनवरी 1933 ई. में प्रकाशित किए गए छोटे पैम्पलेट "अब या फिर कभी नहीं" में किया था।

४.(माउंटबेटेन का प्रभाव)–
माउंटबेटेन ने यह अनुभव किया कि सांप्रदायिक दंगों के कारण स्थिति अनियंत्रित होती जा रही है। इस स्थिति को देख माउंटबेटेन ने यह विचार किया की भारत को विभाजित करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। इस दौरान अंग्रेजों ने भारत छोड़ने की तिथि जून 1948 की को नहीं बल्कि 15 अगस्त, 1947 घोषित कर दी। जिससे कांग्रेस के सामने केवल दो ही विकल्प रह गए पहला गृहयुद्ध और दूसरा पाकिस्तान, अंततः भारत विभाजन किया गया।

५.(कांग्रेस की त्रुटिपूर्ण एवं दुर्बल नीति)–
कांग्रेस की त्रुटिपूर्ण एवं दुर्बल नीतियां भी भारत विभाजन का एक प्रमुख कारण थी। कांग्रेस द्वारा मुस्लिम लीग की उन मांगों को भी स्वीकार कर लिया गया जो अनुचित थी। कांग्रेस ने अनेक अवसरों पर अपने सिद्धांतों को भी त्याग दिया। जिसका परिणाम यह हुआ कि कांग्रेस ने वर्ष 1916 के 'लखनऊ समझौता' में मुसलमानों के पृथक प्रतिनिधित्व और उनको जनसंख्या से अधिक अनुपात में व्यवस्थापिका-सभाओं में सदस्य भेजने के अधिकारों को स्वीकार करते हुए मुसलमानों को अत्यधिक बढ़ावा दिया।

उपाधियां:-
◇आधुनिक भारत का पिता
◇भारत के नवजागरण का अग्रदूत
◇भारतीय राष्ट्रवाद का जनक
◇सुधार आंदोलन के प्रवर्तक
◇अतीत और भविष्य के मध्य सेतु
◇नव दिन का प्रातः तारा
◇1831 में अकबर द्वितीय द्वारा 'राजा' की उपाधि

राजा राममोहन राय

जन्म- 22 मई 1772 (हुगली,बंगाल में)

मृत्यु- 27 सित.1833(ब्रिस्टल,इंग्लैंड में) मस्तिष्क ज्वर के कारण

पिता- रमाकांत (बंगाल के नवाब के यहाँ कार्य करते थे),यही राममोहन को 'राय राया' की उपाधि मिली।

"बहुमुखी प्रतिभा के धनी व बड़े विद्वान"

'ब्रह्म समाज' के संस्थापक

★शिक्षा- पटना एवं वाराणसी में।
□अरबी,फ़ारसी,संस्कृत,अंग्रेजी, फ्रांसीसी,लैटिन,यूनानी,हिब्रू सहित लगभग 12 भाषाओं के ज्ञातज्ञ।

☆मूर्ति पूजा के कट्टर विरोधी:-
फ़ारसी भाषा मे 'तुहफात-उल-मुवाहिदीन' या 'एकेश्वर वादियों का उपहार'(Gift to Monotheists) पुस्तक में मूर्ति पूजा का खंडन किया।

अन्य महत्वपूर्ण कार्य:-
१.1803 में पिता की मृत्यु के बाद कम्पनी में 'जॉन डिग्बी' के दीवान बने व 1814 तक कार्य किया।
२.'आत्मीय सभा' की स्थापना-1814 ई. में।
३.'वेदांत सोसायटी' की स्थापना-1816 में।
४.'प्रीसेप्ट्स ऑफ जीजस' पुस्तक लिखी-1820 में(आधार बाइबिल)।
५.'कलकत्ता यूनीटेरियन कमेटी की स्थापना-1821 में।
६.'ब्रह्म समाज' की स्थापना -20अगस्त1828 में(प्रारम्भ में यह ब्रह्म सभा थी)।

)साहित्य(
•तुहफात-उल-मुवाहिदीन(फ़ारसी पत्रिका)-1809
•संवाद कौमुदी(बंगाली पत्रिका)इसमें सती प्रथा का विरोध किया -1821
•'प्रज्ञा का चांद'(बंगाली में) - 1821
•मिरात-उल-अखबार(फ़ारसी पत्रिका) - 1822
•'हिन्दू उत्तराधिकार नियम'(पुस्तक) - 1822
•प्रीसेप्ट्स ऑफ जीजस(पुस्तक) -1820
•वेद मंदिर(अन्य पत्र)।
•अंग्रेजी में 'ब्रह्म क्रोनिकल मैगजीन'।
•बंगाल व्याकरण का संकलन।

☆विरोध:-
•मूर्तिपूजा,अवतारवाद,बहुदेववाद,पुरोहितवाद 'ईश्वर की एकता' पर बल दिया।
•कुरीतियों-
सतीप्रथा,बहुविवाह,बालविवाह,पर्दा प्रथा,छुआछूत,जाति प्रथा पर प्रहार किया।
•अंतर्जातीय विवाह व स्त्री शिक्षा पर बल दिया।
•स्त्रियों को सम्पत्ति में उत्तराधिकार दिलाने का प्रयास।
◇ 1817 में -हिन्दू कॉलेज(कलकत्ता में),डेविड हेयर की सहा. से।
◆ 1825 में -वेदांत कॉलेज(कल.) की स्थापना की।
◇1829 में 'सती प्रथा' विरोधी कानून बनाने में 'विलियम बेंटिक' की सहायता की।

☆[वर्ष 1830 में 'ब्रह्म समाज' प्रन्यासकरण पत्र लिखा गया।
☆[इसमें राजाराम मोहन राय ने अपनी मृत्यु के बाद अपने शिष्यों-'महर्षि द्वारकानाथ टैगोर','पंडित रामचन्द्र विद्यावागीश' ब्रह्म समाज का संचालक नियुक्त किया।
☆सुभाषचन्द्र बोस ने इन्हें 'युगदूत' की उपाधि दी।

YOGESH GAUTAM YG

★ भारतीय क्रांतिकारी संगठन

नाम	संस्थापक	स्थान	वर्ष
व्यायाम मंडल	चापेकर बन्धु	पुणे	1896 - 97
मित्र मेला	सावरकर बन्धु	नासिक	1901
अनुशीलन समिति	सतीश चंद्र , प्रमथनाथ	कलकत्ता	1902
स्वदेश बाँधव समिति	अश्विन कुमार दत्त	N/A	1905
हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन	सचिंद्र नाथ सान्याल , नरेंद्र मोहन सेन	कानपुर	1924
हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन	चन्द्र शेखर, भगत सिंह सुखदेव थापर	नई दिल्ली	1928
इंडियन होम रूल	श्यामजी कृष्ण वर्मा	लंदन	1905
इंडियन इंडिपेंडेंस लीग	तारकनाथ दास	केलिफोर्निया	1907
ग़दर पार्टी	लाला हरदयाल	USA, कनाडा	1913

जन्म - 7 मई 1861

"जन्मदिन विशेष"

निधन - 07 अगस्त 1941

व्यवसाय - लेखक,
कवि, नाटककार,
संगीतकार, चित्रकार

भाषा - बांग्ला, अंग्रेजी

साहित्यिक आन्दोलन-
आधुनिकतावाद

उल्लेखनीय सम्मान -
नोबल पुरस्कार

सबन्धी -
टैगोर परिवार

f - देवेंद्र नाथ टैगोर

गुरु देव रविन्द्र नाथ टैगोर

माता - शारदा देवी

★ कलकत्ता में जन्मे रविन्द्र नाथ टैगोर विश्वविख्यात कवि, साहित्यकार, दार्शनिक और भारतीय साहित्य के नोबल पुरस्कार विजेता हैं। उन्हें गुरुदेव के नाम से भी जाना जाता है। बांग्ला साहित्य के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नयी जान फूँकने वाले युगदृष्टा थे। वे एशिया के प्रथम नोबेल पुरस्कार सम्मानित व्यक्ति हैं। वे एकमात्र कवि हैं जिसकी दो रचनाएँ दो देशों का राष्ट्रगान बनीं - भारत का राष्ट्रगान 'जन गण मन' और बाँग्लादेश का राष्ट्रीय गान 'आमार सोनार बाँग्ला' गुरुदेव की ही रचनाएँ हैं।

■ उनकी आरम्भिक शिक्षा प्रतिष्ठित सेंट जेवियर स्कूल में हुई। उन्होंने बैरिस्टर बनने की इच्छा में १८७८ में इंग्लैंड के ब्रिजटोन में पब्लिक स्कूल में नाम लिखाया फिर लन्दन विश्वविद्यालय में कानून का अध्ययन किया किन्तु १८८० में बिना डिग्री प्राप्त किए ही स्वदेश पुनः लौट आए। सन् १८८३ में मृणालिनी देवी के साथ उनका विवाह हुआ। मुख्य रचनाएँ - गीतांजलि , पूरबी प्रवाहिनी ,शिशु भोलानाथ, महुआ, वनवाणी

◆ 1913 ई. में रविंद्रनाथ ठाकुर को उनकी काव्यरचना गीतांजलि के लिये साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला , 1915 ई. में उन्हें राजा जॉर्ज पंचम ने नाइटहुड की पदवी से सम्मानित किया था। 1919 ई. में जलियाँवाला बाग हत्याकांड के विरोध में उन्होंने यह उपाधि लौटा दी थी।

BY - AMIT KUMAR

★ हड़प्पा कालीन स्थल (महत्वपूर्ण)

स्थल	उत्खननकर्ता	वर्ष	नदी
हड़प्पा (पाकिस्तान)	दयाराम साहनी	1921	रावी
मोहनजोदड़ो (PAK)	राखालदास बनर्जी	1922	सिंधु
चंदुहड़ो (पाकिस्तान)	N. G मजूमदार	1931	सिंधु
लोथल (गुजरात)	रंगनाथ राव	1957	भोगवा
कालीबंगा (राजस्थान)	अमलानन्द	1953	घग्घर
राखीगढ़ी (हरियाणा)	सूरजभान	1969	घग्घर
धोलावीरा (गुजरात)	R. S विष्ट	1990	----
बनाबली (हरियाणा)	R. S विष्ट	1973	सरस्वती
रोपड़ (पंजाब)	मज्ञदत्त शर्मा	1955	सतलज
रंगपुर (गुजरात)	S. R राव	1954	-----
सुत्तकाकोह (ब्लूचिस्तान)	जार्ज डेल्स	1962	शादीकौर
सुरकोटदा (गुजरात)	जगपति जोशी	1964	सरस्वती

★ भारत इतिहास के प्रमुख युद्ध

युद्ध	समय	व्यक्ति
हाइडेस्पीज का युद्ध	326 ई॰ पू॰	सिकंदर (✓) + पोरस
कलिंग का युद्ध	261 ई॰ पू॰	अशोक(✓) + कलिंग
सिंध की लड़ाई	712 ई॰	मोहम्मद कासिम (✓)
तराइन का प्रथम युद्ध	1191 ई॰	मोहम्मद गोरी + पृथ्वीराज ✓
तराइन का द्वितीय युद्ध	1192 ई॰	मोहम्मद गोरी ✓ + पृथ्वीराज
चन्द्रावर का युद्ध	1192 ई॰	मोहम्मद गोरी ✓ + जयचंद
पानीपत का प्रथम युद्ध	1526 ई॰	बाबर ✓ + इब्राहिम लोदी
खानवा का युद्ध	1527 ई॰	बाबर ✓ + राणा सांगा
घाघरा का युद्ध	1529 ई॰	बाबर ✓ + अफगानों के बीच
चौसा का युद्ध	1539 ई॰	हुमायूं + शेरशाह सूरी ✓
कन्नौज/ बिलग्राम युद्ध	1540 ई॰	हुमायूं + शेरशाह सूरी ✓
पानीपत का द्वितीय युद्ध	1556 ई॰	अकबर ✓ + हेमू
तालिकोटा युद्ध	1565 ई॰	विजनगर का अंत
हल्दीघाटी का युद्ध	1576 ई॰	अकबर ✓ + राणा प्रताप
प्लासी का युद्ध	1757 ई॰	अंग्रेज ✓ + सिराजुदौला
बांडीवाश का युद्ध	1760 ई॰	अंग्रेज ✓ + फ्रांसीसी

★ कुछ महान कार्यो से सबंधित व्यक्ति

स्थापना	व्यक्ति	सन
रेड क्रॉस स्थापना	हेनरी ड्यूएट	1863
दास प्रथा का उन्मूलन	अब्राहम लिंकन	1865
ग़दर पार्टी की स्थापना	लाला हरदयाल	1913
All India वीमेंस कॉन्फ्रेंस	कमला देवी	1920
स्वराज पार्टी की स्थापना	प॰ मोती लाल नेहरू	1923
भारत की कम्युनिस्ट पार्टी	एम एन राय	1925
हरिजन संघ की स्थापना	महात्मा गांधी	1932
नेशनल कॉन्फ्रेंस स्थापना	शेख अब्दुल्ला	1932
संस्क्रत व्याकरण के जनक	पाणनि	------
भुदान आंदोलन	विनोबा भावे	1951
बैंकों का राष्ट्रीयकरण	इंदिरा गांधी	1969
चिपको आंदोलन	सुंदर लाल बहुगुणा	1973

★ गांधी युग से जुड़े वर्ष महत्वपूर्ण सार

आंदोलन / यात्रा / उपाधि	शुरुआत / समय
१. गांधी जी अफ्रीका गए	1893
२. गांधी जी का पहला सत्याग्रह	1906
३. गांधी जी पहली बार जेल गए	1908
४. गांधी जी अफ्रीका से लौटे	1915
५. सावरमती आश्रम की स्थापना	1916
६. चंपारण सत्याग्रह	1917
७. अहमदाबाद मिल मजदूर आंदोलन	1918
८. ख़िलापत आंदोलन	1919
९. असहयोग आंदोलन	1920
१०. असहयोग आंदोलन वापस	1922
११. कांग्रेस की अध्यक्षता	1924
१२. दांडी यात्रा	1930
१३. सविनय अवज्ञा आंदोलन	1930
१४. गांधी इर्विन समझौता	1931
१५. द्वित्तीय गोलमेज सम्मेलन	1931
१६. पूना समझौता	1932
१७. हरिजन संघ की स्थापना	1932
१८. भारत छोड़ो आंदोलन	1942

गांधी जी का जन्म (2/10/1869) गांधी जी की मृत्यु (30/01/1948)

मोहनदास करमचन्द गांधी
पिता-करम चन्द गांधी
माता-पुतलीबाई
पत्नि-कस्तूरबा गांधी
पुत्र-हरिलाल,रामदास,मणिलाल,
देवदास गांधी ,जमनालाल बजाज
को पाँचवे पुत्र की उपाधि।

महात्मा गांधी
2 अक्टूबर 1869 - 30 जनवरी 1948

उपाधियां:-
◆कर्मवीर,भंगी शिरोमणि(द.अफ्रीका),कुली बैरिस्टर (अंग्रेजो ने)
◇सेवाग्राम का संत,मलंग बाबा(कबाइली लोगो ने)
◆अर्द्ध नग्न फकीर-(विस्टन चर्चिल)
◇महात्मा-(रविन्द्र नाथ टैगोर)
◆बापू-(JL नेहरू)
◇राष्ट्रपिता-(सुभाषचन्द्र बोस ने)
◆वन मैंन बाउंड्री फ़ोर्स-(लार्ड माउंट बेटन)

नारे:-
●'करो या मरो'
●'अंग्रेजो भारत छोड़ो'

योग्यताएं:-
◆पोरबंदर से-मिडिल◆राजकोट से-हाईस्कूल◆भावनगर से-मैट्रिक से आगे◆लंदन से-बैरिस्टरी की पढ़ाई(4sep 1888को गए)

☆मेरितस्वर्ग काण्ड:- डरबन से प्रिटोरिया की यात्रा के वक्त अंग्रेजो ने इन्हें प्रथम श्रेणी डिब्बे से धक्का देकर नीचे उतारा।यही से जीवन की दिशा बदल गयी।

●द०अफ्रीका से 09 जनवरी 1915 को भारत(बम्बई)वापस आए। इस दिन को 'प्रवासी भारतीय दिवस' के रूप में मनाते हैं।

आंदोलन:-
○गिरमिटिया सत्याग्रह(23 Sep.1913) द. अ.
○चम्पारण(बिहार) सत्याग्रह(1917)-भारत मे प्रथम
○खेड़ा(गुज.) सत्याग्रह(22 मार्च 1918)
○अहमदाबाद मजदूर आंदोलन(15 मार्च 1918)
○खिलाफत आंदोलन(नव.1919-3मार्च 1924)
○असहयोग आंदोलन(1अग.1920-12फर.1922)
○सविनय अवज्ञा आंदोलन(6 अप्रैल 1930-5 मार्च 1931
○व्यक्तिगत सत्याग्रह(17अक्टू.1940-17 दिस.1940)
○भारत छोड़ो आंदोलन(अगस्त क्रांति-8 अग. 1942)

रचनाएं:-
◆प्रथम रचना- लंदन गाइड
◆इंडियन-फ्रेंचाइज(द.अ. में भारतीयों की दुर्दशा पर)
◆ए गाइड टू हेल्थ(सात्विक आहार)
◆हिन्द स्वराज या इंडियन होम रूल-1909
◆माई अर्ली लाइफ
◆माई एक्सपेरिमेंट विथ ट्रुथ
◆माई चाइल्डहुड
◆इंडियन ओपिनियन
◆सर्वोदय(र.बांड की 'अन टू दि लास्ट' का गुजराती अनुवाद)

पत्र:-
◆स्टोरी ऑफ सत्याग्रह
◆इंडियन ओपिनियन-1893(द.अ.)
◆यंग इंडिया(अंग्रेजी)-1919
◆नवजीवन(हिंदी,गुज.)-1919
◆हरिजन -1933
◆हरिजन सेवक, हरिजन बन्धु

Yogesh Gautam

प्रमुख घटनाएं:-
●रौलेट एक्ट(1919)-(गठन-10 दिस.1917,रिपोर्ट-15Apl 1918, पास-18 मार्च 1919 भारत में)
●जलियावाला बाग हत्याकांड(13अप्रैल 1919)-(लगभग 1000 लोग मरे,टैगोर ने-नाईटहुड़/सर की उपाधि लौटाई, सर शंकरन नायर ने-गवर्नर जनरल की कार्यकारी परिषद से त्यागपत्र दिया)
●चौरी-चौरा काण्ड(5 फर.1922)
●स्वराज पार्टी(मार्च 1923 को इलाहाबाद में)-(संस्था. चितरंजन दास(अध्यक्ष),मोतीलाल नेहरू(महामंत्री)
●साइमन कमीशन(गठन-8 नव.1927),कुल -7सदस्य,अध्यक्ष-सर जॉन साइमन
●नेहरू रिपोर्ट(प्रस्तुत-10अग.1928),(स्वीकार-28अग.1928 को लखनऊ के सम्मेलन में),वर्तमान संविधान का 'ब्लू प्रिंट' माना।
●प्रथम गोलमेज सम्मेलन(12नव.1930-19जन.1931) लंदन, गांधी ने भाग नही लिया। सम्मेलन-असफल रहा।
●गांधी इरविन समझौता(5 मार्च 1931)-'गांधी -इर्विन पैक्ट'
●द्वितीय गोलमेज सम्मेलन(7 सित.1931),लंदन (गांधी ने भाग लिया) असफल
●साम्प्रदायिक पंचाट एवं पूना समझौता(16 अग.1932 घोषणा),पूना समझौता-24 सित.1932 को अम्बेडकर ने स्वीकार किया।
●तृतीय गोलमेज सम्मेलन(17नव.-24 दिस.1932)(कांग्रेस ने भाग नही लिया।)
●द्वितीय विश्व युद्ध(1939)-कांग्रेस ने युद्ध के बाद भारत को स्वतंत्र की बात रखी।
●अगस्त प्रस्ताव(8 अग.1940)-भारत मे औपनिवेशक राज्य की स्थापना करना।
●पाकिस्तान की मांग(23 मार्च1940),लाहौर में मुस्लिम लीग के अधिवेशन में पाकिस्तान की मांग।
●क्रिप्स प्रस्ताव(घोषणा-11मार्च 1942), भारत पहुँचा-30 मार्च 1942 को

☆आध्यात्मिक गुरु- नारायण गुरु
☆राजनीतिक गुरु - गोपाल कृष्ण गोखले

YG

1857 के बाद प्रकाशित अंग्रेजी समाचार पत्र

समाचार पत्र	वर्ष	स्थान	सम्पादक/संस्थापक
१. टाइम्स ऑफ इंडिया	-1862	- कलकत्ता	-रॉबर्ट नाइट/थॉमस बेनेट
२. स्टेट्समैन	-1875	- कलकत्ता	-रॉबर्ट नाइट
३. फ्रेण्ड ऑफ इंडिया	-	- कलकत्ता	-------
४. इंग्लिशमैन	-	- कलकत्ता	-------
५. पायनियर	-1865	- इलाहाबाद	-अल्फ्रेड सिनेट
६. मद्रास मेल	-1868	- मद्रास	------
७. द हिन्दू	-1878	- मद्रास	-वी.राघवाचारी/जी.एस.अय्यर
८. मराठा	-1881	- बम्बई	-आगरकर/बी.जी.तिलक
९. हिंदुस्तान स्टैंडर्ड	-1899	-------	-सच्चिदानंद सिन्हा
१०.कॉमनवील	-1914	- मद्रास	-एनीबेसेन्ट
११.न्यू इंडिया	-1916	- मद्रास	-एनीबेसेन्ट
१२.द लीडर	-1909	- इलाहाबाद	-मदनमोहन मालवीय
१३.गदर	-1913	- सैन फ्रांसिस्को	-लालाहरदयाल
१४.डॉन	-1917	- कराची	-मुहम्मद जिन्ना
१५.यंग इंडिया	-1919	- अहमदाबाद।	-महात्मा गांधी
१६. इंडिपेंडेंस	-1919	- इलाहाबाद	-मोतीलाल नेहरू
१७.हिंदुस्तान टाइम्स	-1922	- दिल्ली	-के.एम.पणिक्कर
१८.नेशनल हेराल्ड	-1938	------	-जवाहरलाल नेहरू
१९.कामरेड	-1911	- कलकत्ता	-मौलाना मु.अली

भारत के महापुरुषों के समाधि स्थल

महापुरुष	समाधि स्थल	स्थान
★ महात्मा गाँधी	राजघाट	दिल्ली
★ जवाहरलाल नेहरु	शांतिवन	दिल्ली
★ इंदिरा गाँधी	शक्ति स्थल	दिल्ली
★ बाबू जगजीवन राम	समता स्थल	दिल्ली
★ राजीव गाँधी	वीर भूमि	दिल्ली
★ लाल बहादुर शास्त्री	विजय घाट	दिल्ली
★ ज्ञानी जैल सिंह	एकता स्थल	नईदिल्ली
★ चौधरी चरण सिंह	किसान घाट	दिल्ली
★ डॉ भीमराव अम्बेडकर	चैत्यभूमि	मुंबई
★ के आर नारायण	उदय भूमि	नई दिल्ली
★ मोरारजी देसाई	अभय घाट	अहमदाबाद
★ शंकर दयाल शर्मा	कर्म भूमि	नईदिल्ली
★ डॉ० राजेन्द्र प्रसाद	महाप्रयाण घाट	पटना
★ अटल बिहारी वाजपेयी	राष्ट्रीय स्मृति स्थल	नईदिल्ली

महत्वपूर्ण समितियां / आयोग

Part-2

१. गोइपोरिया समिति	बैंकिंग सेवा सुधार
२. सुखमय चक्रवर्ती समिति	मौद्रिक प्रणाली पर पुनर्विचार के लिए
३. रघुराम राजन समिति	वित्तीय क्षेत्र में सुधार हेतु
४. सुंदर राजन समिति	खनिज तेल में सुधार के लिए
५. रेखी समिति	अप्रत्यक्ष कर
६. वांचू समिति	प्रत्यक्ष कर
७. मीरा सेठ समिति	हथकरघा विकास के लिए
८. महालनोबिस समिति	राष्ट्रीय आय
९. आबिद हुसैन समिति	लघु उद्योग
१०.स्वामीनाथन समिति	जनसंख्या नीति
११.जानकी रमन समिति	प्रतिभूति घोटाला
१२.दन्तेवाला समिति	बेरोजगारी के आकलन हेतु
१३.महाजन समिति	चीनी उद्योग
१४.सत्यम समिति	वस्त्र नीति
१५.सुरेश तेंदुलकर समिति	गरीबी रेखा के आकलन हेतु
१६.बलवंत राय मेहता समिति	पंचायती राज
१७.शिवरामन समिति	नाबार्ड की स्थापना
१८.राजा चलैया समिति	कर सुधार
१९.ज्ञान प्रकाश समिति	चीनी घोटाला
२०.केलकर समिति	कर संरचना सुधार
२१.हनुमंत राव समिति	उर्वरक
२२.हंटर आयोग	जलियावाला बाग हत्याकांड
२३.लिब्राहन आयोग	बाबरी मस्जिद
२४.श्री कृष्ण आयोग	मुम्बई दंगा(1993)
२५.नानावटी आयोग	गोधरा कांड
२६.जैन आयोग	राजीव गांधी हत्याकांड
२७.ठक्कर आयोग	इंदिरा गांधी हत्याकांड
२८.सरकारिया आयोग	केंद्र-राज्य सम्बंध
२९.मण्डल आयोग	पिछड़ी जाति के आरक्षण के लिए

Yogesh Gautam

○चर्चित व्यक्तियों के उपनाम○

☆ गुरुदेव / विश्वकवि ➛ रवीन्द्रनाथ टैगोर
✦ भारत कोकिला ➛ सरोजिनी नायडू
☆ देशवंधु ➛ चितरंजन दास
✦ निराला ➛ सूर्यकांत त्रिपाठी
☆ ग्रांड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया ➛ दादा भाई नोरौजी
✦ लोकमान्य ➛ बाल गंगाधर तिलक
☆ शांति पुरुष ➛ लाल वहादुर शास्त्री
✦ शहीद-ए-आजम ➛ भगत सिंह
☆ नेताजी ➛ सुभाष चन्द्र बोस
✦ पंजाब केसरी ➛ लाला लाजपत राय
☆ देशरत्न ➛ डॉ राजेन्द्र प्रसाद
✦ राजाजी ➛ चक्रवर्ती राजगोपालाचारी
☆ आधुनिक मीरा ➛ महादेवी वर्मा
✦ महाकवि /भारत का शेक्सपियर ➛ कालिदास
☆ महामना ➛ मदनमोहन मालवीय
✦ लोकनायक / जे. पी. ➛ जयप्रकाश नारायण
☆ बंगवन्धु ➛ शेख अव्दुल्ला
✦ तुतिए-हिन्द ➛ अमीर खुसरो
☆ भारतीय पुनर्जागरण के अग्रदूत ➛ राजा राम मोहन राय
✦भारत का नेपोलियन ➛ समुद्रगुप्त
☆ सीमान्त गांधी ➛ खान अब्दुल गफ्फार खान
✦ भारतीय मैकियावेली ➛ चाणक्य / कौटिल्य / विष्णुगुप्त
☆ लौह पुरुष / सरदार ➛ वल्लभ भाई पटेल
✦ बंगाल का बाघ ➛ आशुतोष मुखर्जी
☆ विद्रोही कवि ➛ कांजी नजरुल इस्लाम
✦ बापू के पाँचवें पुत्र ➛ जमनालाल बजाज
☆ लिटिल मास्टर ➛ सुनील गावस्कर

☆ हॉकी के जादूगर ➛ मेजर ध्यानचन्द्र
✦ हरियाणा हरिकेन ➛ कपिल देव
☆ कर्नल ➛ दिलीप वेंगसरकर
✦ विरोधाभासों का मिश्रण ➛ मुहम्मद बिन तुगलक
☆ आजातशत्रु ➛ डॉ राजेन्द्र प्रसाद
✦ विध्यासागर ➛ ईश्वरचन्द्र वंध्योपाध्याय
☆ देशप्रिय ➛ यतीन्द्र मोहन सेनगुप्ता
✦ युवा तुर्क ➛ चन्द्रशेखर
☆ उड़नपरी ➛ पी. टी. ऊषा
✦ बिहार विभूति ➛ अनुग्रह नारायण सिंह
☆ दीनबंधु ➛ सी. एफ. एण्ड्रूज
✦ भारतीय फिल्मों के पितामह ➛ घुण्डीराज गोविन्द फाल्के
☆ कायदे आजम ➛ मुहम्मद अली जिन्ना
✦ फ्यूहरर ➛ एडोल्फ हिटलर
☆ गुजरात का जनक ➛ सैय्यद बन्धु
✦ माता बसंत ➛ ऐनी बिसेन्ट
☆ ब्लैक गांधी ➛ मार्टिन लूथर किंग जूनियर
✦ ताऊ ➛ चौधरी देवीलाल
☆ वयोवृद्ध पुरुष ➛ दादा भाई नौरोजी
✦ लाल बाल पाल ➛ लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, विपिनचन्द्र पाल
☆ लिटिल कार्पोरल ➛ नेपोलियन बोनापोर्ट
✦ शेरे कश्मीर ➛ शेख अब्दुल्ला
☆ बाबू जी ➛ जगजीवन राम
✦ अंकल हो ➛ हो. ची. मिन्ह
☆ ग्रेण्ड मैन ऑफ ब्रिटेन ➛ ग्लेडस्टोन
✦ फादर ऑफ इंग्लिश पोइट्री ➛ ज्यौफी चॉसर

YOGESH GAUTAM
YG

★ सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन से सबंधित संस्थाए

संस्था	स्थापना	संस्थापक
एशियाटिक सोसाइटी	1784	विलियम जोन्स
वेदांत कॉलेज	1815	राम मोहन राय
बालिका विद्यालय	1851	ज्योतिबा फूले
सत्यशोधक समाज	1873	ज्योतिबा फूले
इंडियन लीग	1875	शिशिर घोष
तत्वबोधनी सभा	1839	देवेंद्र नाथ टैगोर
ब्रहा समाज	1828	राम मोहन राय
आर्य समाज	1875	दयानंद सरस्वती
प्रार्थना समाज	1867	आत्माराम पांडुरंग
रामकृष्ण मिशन	1897	स्वामी विवेकानंद

★ मुग़लकालीन प्रमुख, अनुवादित पुस्तकें

अनुवादित पुस्तक	अनुवादित भाषा	अनुवादक - लेखक
महाभारत (रज्मनामा)	फ़ारसी	बदायूँनी , नकीब खाँ
रामायण	फ़ारसी	बदायूँनी
राजतरंगिणी	फ़ारसी	शाह मुहम्मद शाबादी
हितोपदेश	फ़ारसी	ताजुल माली
लीलावती	फ़ारसी	फैजी
पंचतंत्र	फ़ारसी	अबुल फजल
नल - दमयंती	फ़ारसी	फैजी
बाबरनामा	फ़ारसी	अ॰रहीम खानखाना
	अंग्रेजी	लेडेन व रस्किन